सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-108 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 08 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

सु-विचार

" अनंत इच्छाओं और, उपलब्ध साधनों में तालमेल होना ही, जीवन की सफलता है....!! "

अज्ञात...

शिवपुराण कथा के नाम पर 21 लाख की ठगी, आरोपी दिनेश साहू पर अपराध हुआ दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

धार्मिक आस्था के नाम पर लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। भोलेनाथ सेवा समिति वनांचल ने ग्राम हालेकोसा निवासी दिनेश साहू पर पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवपुराण कथा कराने का झांसा देकर 21 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। छुरिया पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगद लिए 21 लाख, रसीद भी नहीं दी

समिति पदाधिकारी अर्जुन मानिकपुरी और लुकेश सिन्हा ने बताया कि अंबागढ़ चौकी क्षेत्र में भव्य शिवपुराण कथा की तैयारी थी। इस दौरान दिनेश साहू ने खुद को कथा आयोजन का अधिकृत माध्यम बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में पंडित प्रदीप मिश्रा की बुकिंग उसी के जरिए होती है। आरोप है कि उसने चेक लेने से इनकार कर पूरी राशि नगद मांगी और कोई रसीद नहीं दी। 24 फरवरी 2026 को पहली किश्त के रूप में पांच लाख रुपये दिए गए। इसके बाद अलग-अलग किश्तों में कुल 21 लाख रुपये दिनेश साहू को सौंपे गए। उसने 8 मई से 14 मई तक कथा की तारीख तय होने की बात कहकर समिति को तैयारियों में लगा दिया।

सिहोर कुबेरेश्वर धाम में खुला राज

समिति को पता चला कि उन्हीं तारीखों में पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा झारखंड के रांची में प्रस्तावित है। संदेह पर समिति सदस्य सिहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम पहुंचे। वहां पंडित प्रदीप मिश्रा के कार्यालय से बताया गया कि अंबागढ़ चौकी में कथा के नाम पर कोई अधिकृत बुकिंग नहीं हुई है और न ही कोई राशि जमा कराई गई है। समिति का आरोप है कि इसके बाद दिनेश साहू टालमटोल करता रहा। रकम लौटाने का आश्वासन दिया लेकिन आज तक पूरी राशि वापस नहीं की। समिति ने एसपी कार्यालय पहुंचकर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की।

आरोपी ने बताया आपसी लेनदेन

छुरिया पुलिस ने आरोपी दिनेश साहू के खिलाफ धारा 318(4) के तहत धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। वहीं दिनेश साहू ने धोखाधड़ी से इनकार करते हुए इसे आपसी लेनदेन का मामला बताया है। उसका कहना है कि मामला मिल-बैठकर सुलझा लिया जाएगा। शिकायत के दौरान जीवन साहू, लोकनाथ साहू, शत्रुहन यादव, बिरसिंग निषाद सहित समिति सदस्य मौजूद रहे। समिति ने मामले को धार्मिक आस्था से जुड़ी सुनियोजित धोखाधड़ी बताते हुए निष्पक्ष जांच और कड़ी कारर्वाई की मांग की है।

पुलिस का बयान : एएसपी कीर्तन राठौर ने बताया, "शिवपुराण कथा आयोजन के नाम पर 21 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने की शिकायत मिली थी। जांच के बाद आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर विवेचना की जा रही है।"

एनएसयूआई का सीएम हाउस घेराव : तोड़े बैरिकेड, पुलिस पर पथराव, कई सिपाही हुए जख्मी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छात्र संघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन गुरुवार को बेकाबू हो गया। सीएम हाउस घेरने निकले कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस पर पथराव किया। झड़प में कई पुलिसकमिर्यो को चोटें आई हैं। रात करीब 8 बजे प्रदर्शन समाप्त हुआ।

महिला थाना चौक से शुरू हुआ प्रदर्शन

दोपहर एनएसयूआई कार्यकर्ता जनसंपर्क कार्यालय, महिला थाना चौक के पास एकत्र हुए। यहां घंटेभर भाषण के बाद कार्यकर्ता सीएम हाउस की ओर बढ़े। पुलिस ने प्रेस क्लब से बंजारी बाबा चौक तक कई लेयर में बैरिकेड्स लगाए थे। तीन लेयर की बैरिकेड्स तोड़ने के बाद पुलिस ने नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी शुरू की। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता उग्र हो गए। उन्होंने पुलिस पर पथराव कर दिया। कई पुलिसकमिर्यो के चेहरे पर चोट आई। पुलिसकमिर्यो संग जमकर झूमाझटकी और तनातनी हुई।

नेताओं ने रखी मांग

एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा, "छात्र हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।" उन्होंने छात्रसंघ चुनाव बहाल करने और युवाओं को रोजगार देने की मांग की।

प्रदर्शन में विधायक देवेंद्र यादव, विकास उपाध्याय, एजाज ढेबर, यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष आकाश शर्मा, गुलाब कामरो, संजीव शुक्ला, पंकज मिश्रा, सुबोध हरितवाल, निखिल कांत साहू, अजीत कुकरेजा, भावेश शुक्ला शामिल रहे। एनएसयूआई से प्रदेशाध्यक्ष नीरज पांडेय, जिलाध्यक्ष शांतनु झा, अमित शर्मा, हेमंत पाल, प्रशांत गोस्वामी मौजूद थे।

गुटों का शक्ति प्रदर्शन, क्रेन से पहनाई माला

राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ पहली बार छत्तीसगढ़ पहुंचे थे। एनएसयूआई के विभिन्न गुटों ने एयरपोर्ट से लेकर प्रदर्शन तक शक्ति प्रदर्शन किया। उन्हें क्रेन से माला पहनाई गई। सभी गुट बड़ी संख्या में कार्यकर्ता लेकर पहुंचे थे, जिससे प्रदर्शन और उग्र हो गया।

प्रदेशभर से करीब एक हजार कार्यकर्ता जुटे। बैरिकेड्स लांघने के दौरान कई वरिष्ठ नेताओं को भी चोट आई। झूमाझटकी में कई के कपड़े फट गए।

बेमेतरा में ऑनलाइन आईपीएल सट्टा रैकेट का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार, 2.35 लाख जब्त

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस ने मोबाइल के जरिए ऑनलाइन आईपीएल क्रिकेट सट्टा चलाने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक ही प्रकरण में 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर 10 स्क्रीन टच मोबाइल और 40 हजार नगद सहित कुल 2.35 लाख रुपये का सामान जब्त किया है।

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन, एएसपी हरीश कुमार यादव, एसडीओपी भूषण एक्का व एसडीओपी विनय कुमार के मार्गदर्शन में अवैध जुआ-सट्टा पर अभियान चलाया जा रहा है। 6 मई को टाउन भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि महेंद्र सोनी बीटीआई ग्राउंड कोबिया बेमेतरा में मोबाइल से ऑनलाइन आईपीएल सट्टा खेला रहा है।

थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला के नेतृत्व में टीम ने रेड की। आरोपी महेंद्र सोनी, उम्र 30 वर्ष, निवासी वार्ड नं.19 बाजार पारा बेमेतरा को मोबाइल में ऑनलाइन सट्टा खेलाते पकड़ा गया। उसके पास से 20 हजार का मोबाइल और 40 हजार नगद, कुल 60 हजार रुपये जब्त हुए।

मुख्य आरोपी से पूछताछ के बाद 9 और आरोपियों की संलिप्तता सामने आई। गिरफ्तार आरोपी में महेंद्र सोनी, 30 वर्ष, वार्ड 19 बाजार पारा, भोजराम साहू उर्फ भोजू, 36 वर्ष, सिंघौरी वार्ड 13, अरविंद वर्मा, 29 वर्ष, पिकरी, राहुल वर्मा, 26 वर्ष, पिकरी, राजेश वर्मा, 27 वर्ष, पिकरी, गिरधारी वर्मा, 27 वर्ष, वार्ड 20 कुर्मीपारा, संजय मिर्झा, 30 वर्ष, वार्ड 06 मोहभटठा, गौरव वर्मा, 26 वर्ष, गौटियापारा और तुस्कंद विनायक साहू, 28 वर्ष, बिलाई हाल कचहरीपारा, नीलेश साहू, 28 वर्ष, वार्ड 19 गौटियापारा सभी बेमेतरा जिले के निवासी हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 7 छत्तीसगढ़ जुआ(प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया।

आईपीएल सट्टा : भाजयुमो नेता की गिरफ्तारी पर पुलिस की चुप्पी

सक्ती। सक्ती के चर्चित ऑनलाइन आईपीएल सट्टा मामले में भाजपा युवा मोर्चा पदाधिकारी चिराग केशरवानी की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की चुप्पी पर सवाल उठ रहे हैं। मामले में थाना प्रभारी और एसपी के बयानों में अंतर सामने आने के बाद बिलासपुर रेंज के नए आईजी रामगोपाल गर्ग के सख्त तेवर चर्चा में हैं। पदभार संभालते ही आईजी गर्ग ने कहा था कि थानों में मनमानी नहीं चलेगी और बीएनएस की धाराओं में गलत तरीके से जोड़-घटाव करने वालों पर कार्रवाई होगी। इस बयान के बाद सक्ती सट्टा कांड पर लोगों की नजरें टिक गई हैं। **बयानों में अंतर, प्रेस नोट गायब :** सक्ती सट्टा कांड में थाना प्रभारी ने 5 गिरफ्तारी की बात कही, वहीं एसपी ने 6 आरोपियों की पुष्टि की। भाजयुमो नेता चिराग केशरवानी की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस ने न तो प्रेस नोट जारी किया और न ही फोटो सार्वजनिक की। इससे मामले में पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईप्रोफाइल केस में पुलिस की यह खामोशी संदेह पैदा करती है। एक ही मामले में दो अधिकारियों के अलग-अलग बयान से भी भ्रम की स्थिति बनी है। **आईजी के दावों पर नजर :** नए आईजी रामगोपाल गर्ग ने पदभार लेते ही थानों में पारदर्शिता और बीएनएस धाराओं के सही इस्तेमाल की बात कही थी। अब सवाल उठ रहा है कि क्या उनके तेवर सक्ती सट्टा केस की परतें खोलेंगे या पुलिस की चुप्पी बनी रहेगी।

वेस्ट अब बनेगा बेस्ट : छिंद के बीजों से बनेगी कैफीन मुक्त हर्बल कॉफी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर के जंगलों में व्यर्थ समझे जाने वाले छिंद के बीजों से अब कैफीन मुक्त हर्बल कॉफी तैयार होगी। दंतेवाड़ा जिले के बचेली निवासी युवा उद्यमी विशाल हालदार ने दो साल के शोध के बाद यह नवाचार किया है। इस हर्बल कॉफी को इनोवेशन महाकुंभ में प्रथम स्थान मिला और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विशाल को सम्मानित किया।

स्थानीय बीज, वैश्विक सोच : बीकॉम और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की पढ़ाई कर चुके विशाल ने इंटरनेट और स्थानीय समझ का तालमेल बिठाकर छिंद यानी खजूर की स्थानीय प्रजाति के बीजों से कॉफी तैयार की। अब तक बस्तर में इन बीजों को बेकार समझा जाता था। विशाल का मकसद बेकार पड़े प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर कॉफी प्रेमियों को कैफीन के दुष्प्रभाव से मुक्त स्वस्थ विकल्प देना है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, कैफीन से दूर : इस हर्बल कॉफी की सबसे बड़ी खासियत इसका पूरी तरह कैफीन मुक्त होना है। छिंद के प्राकृतिक गुणों के कारण इसमें प्रचुर एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। विशाल का कहना है कि ज्यादातर लोग कॉफी उसके स्वाद और आदत के लिए पीते हैं, सिर्फ मानसिक सक्रियता के लिए नहीं। यह खोज उसी वर्ग को ध्यान में रखकर की गई है। **इनोवेशन महाकुंभ में मिली सराहना :** शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय जगदलपुर में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ में विशाल ने अपना स्टॉल लगाया। वहां वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और आम लोगों ने कॉफी का स्वाद चखा और सराहना की। **युवाओं को रोजगार की उम्मीद :** विशाल दंतेवाड़ा जिला प्रशासन के यूथ अप फाउंडेशन के जरिए स्थानीय युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि इस आइडिया से बस्तर के ग्रामीणों को रोजगार मिले और जंगल से मिलने वाले छिंद के बीजों से अतिरिक्त आय हो।

7 लाख पेड़ों को बचाने पहल : हसदेव में कोल ब्लॉक मंजूरी निरस्त करने की मांग

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने केंद्र की सलाहकार समिति को लिखा पत्र

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र में प्रस्तावित केंटे एक्सटेंशन कोल ब्लॉक को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की सलाहकार समिति को पत्र लिखकर 1742.60 हेक्टेयर वन भूमि के डायवर्सन प्रस्ताव को निरस्त करने की मांग की है। यह मामला 8 मई 2026 को नई दिल्ली में होने वाली सलाहकार समिति की बैठक में रखा जाना है। विधायक देवेंद्र यादव ने अपने पत्र में कहा है कि हसदेव अरण्य केवल कोयले का भंडार नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की पर्यावरणीय और सांस्कृतिक धरोहर है। यहां करीब 7 लाख पेड़ों की कटाई का खतरा है, जिससे पूरे क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ सकता है। उन्होंने कहा कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हसदेव को बचाने की जरूरत है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि प्रस्तावित कोल ब्लॉक का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा घने वन क्षेत्र में आता है। यह क्षेत्र जैव विविधता के लिहाज से बेहद संवेदनशील है, जहां हाथी, तेंदुआ और बाघ जैसे वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास मौजूद है। हसदेव अरण्य में 400 से अधिक वनस्पति और जीव प्रजातियां तथा 100 से ज्यादा पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं। देवेंद्र यादव ने यह भी कहा कि प्रस्तावित खनन क्षेत्र लेमरू हाथी रिजर्व के पास स्थित है। ऐसे में खनन शुरू होने पर हाथियों के आवागमन का रास्ता प्रभावित होगा और मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ सकता है। साथ ही चारनोई नदी, हसदेव नदी और बांगो बांध के जलग्रहण क्षेत्र पर भी इसका गंभीर असर पड़ेगा।

उन्होंने अपने पत्र में छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा 26 जुलाई 2022 को पारित उस सर्वसम्मत प्रस्ताव का भी जिक्र किया, जिसमें हसदेव अरण्य क्षेत्र में आगे खनन नहीं किए जाने की बात कही गई थी। विधायक ने कहा कि स्थानीय आदिवासी समुदायों के वन अधिकारों और आजीविका पर भी इस परियोजना का सीधा असर पड़ेगा, क्योंकि हजारों परिवार वन उपज पर निर्भर हैं। देवेंद्र यादव ने सलाहकार समिति से आग्रह किया है कि जनहित, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए 8 मई की बैठक में इस प्रस्ताव को अस्वीकार किया जाए।

पलारी में पार्षद पति ने लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

बलौदाबाजार। जिले के नगर पंचायत पलारी में एक पार्षद के पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान भोला वर्मा के रूप में हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। भोला वर्मा की पत्नी नगर पंचायत पलारी के वार्ड क्रमांक 12 से पार्षद हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भोला वर्मा ने अज्ञात कारणों के चलते यह कदम उठाया। सूचना मिलते ही पलारी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

सीएमएचओ के आदेश पर भड़के एनएचएम कर्मचारी लगाया भेदभाव का आरोप, कर्मियों ने जताई नाराजगी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले के स्वास्थ्य विभाग में आधार आधारित उपस्थिति को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा केवल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों के लिए आधार हाजिरी अनिवार्य करने के आदेश पर कर्मचारियों ने भेदभाव का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई है।

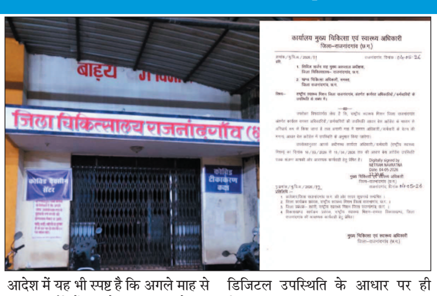

क्या है आदेश

सीएचएमओ कार्यालय से हाल ही में जारी निर्देश में कहा गया है कि एनएचएम के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों के लिए आधार आधारित उपस्थिति अनिवार्य होगी। आदेश में यह भी स्पष्ट है कि अगले माह से इन कमर्चारियों का वेतन भुगतान केवल डिजिटल उपस्थिति के आधार पर ही किया जाएगा।

कर्मचारियों में आक्रोश

आदेश सामने आते ही एनएचओ कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। कमर्चारियों का आरोप है कि विभाग एक ही तरह के काम के लिए दो अलग नियम लागू कर रहा है। उनका कहना है कि बायोमेट्रिक या आधार हाजिरी व्यवस्था लागू करनी है तो इसे नियमित और संविदा सभी कमर्चारियों पर समान रूप से लागू किया जाए।

प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने कहा कि स्वास्थ्य सचिव ने पहले सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए यह व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए थे। लेकिन स्थानीय स्तर पर केवल एनएचएम कर्मचारियों को निशाना बनाना समझ से परे है। केवल आधार हाजिरी के आधार पर वेतन भुगतान की शर्त से कर्मचारियों में वेतन को लेकर चिंता बढ़ गई है।

आंदोलन की चेतावनी

कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि इस भेदभावपूर्ण आदेश को वापस नहीं लिया गया या इसे सभी पर समान रूप से लागू नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल इस मामले में विभागीय उच्च अधिकारियों की ओर से कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। जिले के स्वास्थ्य महकमे में गहमागहमी का माहौल है। कमर्चारियों में बढ़ता असंतोष कामकाज को प्रभावित कर सकता है।

'एक पेड़ मां, एक सोखता संतान के नाम' अभियान से हरियाली और जल संरक्षण पर जोर : सांसद बघेल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला पंचायत सभाकक्ष में मंगलवार को लोकसभा सांसद विजय बघेल की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक हुई। बैठक में सांसद ने राज्य और केंद्र की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हरियाली बढ़ाने और जल संरक्षण के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' और 'एक सोखता संतान के नाम' अभियान को व्यापक स्तर पर चलाया जाए।

आवास और भवन निर्माण में पौधारोपण अनिवार्य

सांसद बघेल ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले मकानों में पौधारोपण को प्राथमिकता दी जाए। नगरीय निकायों में बिल्डिंग परमिशन देते समय रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य किया जाए। उन्होंने आयुक्तों को खुद क्षेत्र में जाकर कार्यों का निरीक्षण करने को कहा।

खाद-बीज और टीकाकरण के निर्देश

सांसद ने कृषि के लिए समय पर खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बारिश से पहले गांव-गांव में शिविर लगाकर पशुओं का टीकाकरण करने के निर्देश दिए। जर्जर सड़कों की पहचान कर प्राथमिकता से सुधार करने को भी कहा।

आंगनबाड़ी और स्पॉन्सरशिप योजना

जिले में 1550 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इनमें से 1171 केंद्र अपने भवन में हैं। पीएम केयर्स चिल्ड्रन योजना के तहत 17 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। स्पॉन्सरशिप योजना में 62 बच्चों को शिक्षा के लिए प्रतिमाह 4 हजार रुपये दिए जा रहे हैं।

बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन समेत विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने योजनाओं के कारगर क्रियान्वयन का आश्वासन दिया।

जल जीवन मिशन पर फोकस

बैठक में बताया गया कि निकुम, जेवरा-सिरसाखुर्द-भटगांव, चंदखुरी-कोलिहापुरी-पीसेगांव, अंजोरा-ढाबा, मोतीमपुर, ओदरागहन-सुरपा और कौही-रानीतराई समूह जलप्रदाय योजनाओं पर काम चल रहा है। सांसद ने शुद्ध पेयजल की समस्या दूर करने के लिए क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया।

मनरेगा में 100 प्रतिशत लक्ष्य पूरा

सीईओ जिला पंचायत बजरंग दुबे ने बताया कि मनरेगा में 28 फरवरी 2026 तक 100 प्रतिशत मानव दिवस सृजित किए जा चुके हैं। मार्च से मई 2026 तक 65 प्रतिशत मानव दिवस उपलब्ध कराए गए हैं। सांसद ने हर गांव में मनरेगा कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

खास खबर

ब्लैक स्पॉट पर यातायात पुलिस का अभियान, नशे में वाहन चलाने वाले 8 चालकों पर कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

यातायात पुलिस दुर्ग ने सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए ग्रामीण मार्गों के ब्लैक और ग्रे स्पॉट क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नशे में वाहन चलाने वाले 8 चालकों और मालवाहक वाहनों में सवारी ढोने वाले 10 चालकों पर सख्त कार्रवाई की गई। जिले के चिन्हित ब्लैक और ग्रे स्पॉट क्षेत्रों में सघन वाहन चेकिंग की गई। नागिन दाई मंदिर अंडा, बसनी चौक धमधा, अहिवारा मोड़ मुरमुन्दा चौक, फुंडा चौक और मोतीपुर चौक अमलेश्वर समेत 5 प्रमुख पॉइंटों पर जांच की गई।

149 लापरवाह चालकों पर चालान

जांच में 8 वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते मिले। इनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने पाया कि कई मालवाहक चालक दिन में भी नशे में वाहन चला रहे थे। मालवाहक वाहनों में अवैध रूप से सवारी ले जाने वाले 10 चालकों पर भी चालान किया गया। विशेष अभियान में कुल 149 लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई हुई।

यातायात पुलिस ने वाहन मालिकों और चालकों से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें। शराब पीकर वाहन न चलाएं और मालवाहक वाहनों में सवारी परिवहन न करें। पुलिस ने कहा कि सड़क सुरक्षा में लापरवाही जानलेवा हो सकती है। नियम तोड़ने वालों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भिलाई में दो वीडियो वायरल : ट्रैफिक एसआई लाइन अटैच, कॉन्स्टेबल हत्या के प्रयास के आरोपी से गले मिला

भिलाई। दुर्ग जिले की पुलिस दो वायरल वीडियो के बाद सवालों के घेरे में आ गई है। एक वीडियो में ट्रैफिक एसआई चालान के बदले युवक से 200 रुपये लेते दिख रहा है। दूसरे वीडियो में वर्दीधारी कॉन्स्टेबल हत्या के प्रयास के आरोपी से हाथ मिलाते और गले मिलते नजर आ रहा है। पहले मामले में एसआई को लाइन अटैच कर दिया गया है, दूसरे की जांच जारी है।

पैसे लेते दिखा ट्रैफिक एसआई

पहला मामला दुर्ग ट्रैफिक विभाग से जुड़ा है। वायरल वीडियो में ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर महेश्वर देवांगन सड़क किनारे एक युवक से बात करते दिख रहे हैं। इसी दौरान युवक उन्हें पैसे देता नजर आ रहा है। वीडियो में कथित तौर पर एसआई की आवाज भी सुनाई दे रही है, जिसमें वह युवक से पैसे गिनने के लिए कह रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद ट्रैफिक टीआई टीडी चंद्रा ने कार्रवाई करते हुए एसआई महेश्वर देवांगन को तत्काल लाइन अटैच कर दिया।

आरोपी से गले मिलता कॉन्स्टेबल : दूसरा वीडियो पावर हाउस रेलवे स्टेशन के सामने का बताया जा रहा है। इसमें दुर्ग छावनी थाना में पदस्थ कॉन्स्टेबल प्रमोद साहू एक युवक से हाथ मिलाते और गले मिलते दिख रहा है। बताया जा रहा है कि युवक के खिलाफ जामुल थाना में हत्या के प्रयास यानी धारा 307 के तहत केस दर्ज है। वह फिलहाल जमानत पर बाहर है और पहले भी जेल जा चुका है। इस मामले में अब तक विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई है। छावनी सीएसपी प्रशांत कुमार पैकरा ने बताया कि मामले की जांच जारी है। दोनों वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कायर्शैली पर सवाल उठ रहे हैं।

ट्रैफिक आरक्षक भी लाइन अटैच : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने यातायात पुलिस दुर्ग के उप निरीक्षक महेश्वर देवांगन के साथ ही आरक्षक क्रमांक-1492 विनोद कुमार कुर्रे को भी रक्षित केन्द्र जिला दुर्ग में अटैच किया है। बताया जाता है कि एसआई महेश्वर देवांगन और आरक्षक विनोद कुमार कुर्रे की गंभीर शिकायतें सामने आई थीं। ट्रैफिक की टीम अपना जिला छोड़कर दूसरे के क्षेत्र में जाकर उगाही का काम करते थे। राजनांदगांव पुलिस के संज्ञान में मामला आने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने इन दोनों को लाइन अटैच किया है।

दुर्ग निगम में साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, नाली व पाइपलाइन विस्तार कार्यों पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 51 से 60 तक की समस्याओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा हेतु महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने डाटा सेंटर में बैठक आयोजित की। बैठक में संबंधित विभागों के एमआईसी सदस्यों, पार्षदों एवं अधिकारियों की मौजूदगी में शहर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक के दौरान महापौर ने वार्ड क्रमांक 51 से 60 तक के पाषर्दों से बारी-बारी क्षेत्रीय समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। पाषर्दों ने अपने-अपने वार्डों में साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, बिजली व्यवस्था, सुलभ शौचालयों की मरम्मत, सड़क एवं नाली निर्माण, पाइपलाइन विस्तार, पाइपलाइन लीकेज, बोर रिपेयरिंग, बोरिंग तथा प्रकाश व्यवस्था से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

महापौर अलका बाघमार ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बिना बिल्डिंग परमिशन एवं बीसीसी के किसी भी नए नल कनेक्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर घरों में निजी नल कनेक्शन होने के बावजूद सार्वजनिक नल चालू हैं, जिससे अनावश्यक रूप से पानी की बर्बादी हो रही है। ऐसे सार्वजनिक नलों को चिन्हित कर बंद करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बोरसी प्रदीप्ति नगर रिसाली रोड में सरकारी जमीन चिन्हित कर एसएलआरएम सेंटर निर्माण की दिशा में कार्यवाही करने तथा खाली सरकारी जमीनों का निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए। महापौर ने कहा कि शहर क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ-साथ मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए।

बैठक में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, निलेश अग्रवाल, काशीराम कोसरे, शशि साहू, पार्षद सजान जोसफ, नीरा खिचरिया, रेशमा सोनकर, ललित ढीमर, सविता साहू, हिरौनंदी चंदानिया, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, प्रकाश चंद थवानी, मो. सलीम सिद्दीकी, राजेन्द्र ढबाले, सुरेश केवलानी, दुर्गेश गुप्ता, मोहित मरकाम, नारायण सिंह ठाकुर, अभ्युदय मिश्रा सहितअधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क किनारे गड्ढा सबको दिखाई देता है, बस जिम्मेदारी नहीं!

दुर्ग में पटेल चौक से हिंदी भवन के बीच, डाकघर से आगे जिला पंचायत भवन के सामने मुख्य मार्ग पर वर्षों से सड़क के बीच नाला खुला पड़ा है। नीचे से गुजर रही पाइपलाइन भी टूटी हुई है, जिसमें नाले का पानी मिल रहा है। मुख्य पाइपलाइन होने से हजारों गैलन पानी भी बर्बाद हो रहा है, हाल ही में इसी गड्ढे में एक कार फंसने से एक महिला का जबड़ा तक टूट गया—पर लगता है यह भी जिम्मेदारों की नींद खोलने के लिए पर्याप्त नहीं था। सबसे हैरानी की बात यह है कि इसी रास्ते से रोज महापौर, पार्षद, कलेक्टर, एसपी, जिले के बड़े अधिकारी, नेता और तथाकथित समाजसेवी गुजरते हैं। सड़क का यह स्थायी गड्ढा स्मारक सबको साफ दिखाई देता है, बस जिम्मेदारी ही कहीं दिखाई नहीं देती। लगता है जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है, एक दिन खुद उसमें गिरता है वाली कहावत पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों पर लागू नहीं होती। अब जनता के पास विकल्प भी क्या है—अगले चुनाव का इंतजार करे और तब तक इस गड्ढे को शहर की नई पहचान मानकर जीना सीख ले!

कल राष्ट्रीय लोक अदालत : आपसी समझौते से होगा प्रकरणों का निराकरण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 09 मई 2026 को जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों के साथ-साथ विभिन्न प्री-लिटिगेशन मामलों का भी आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निराकरण किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत आम नागरिकों को सरल, सुलभ, त्वरित एवं सौहादर्पूर्ण न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम माना जाता है। इसमें पक्षकार आपसी संवाद एवं सहमति के आधार पर अपने विवादों का समाधान कर सकते हैं। लोक अदालत में निराकृत प्रकरणों में न्यायालय शुल्क की वापसी, समय एवं धन की बचत तथा आपसी संबंधों की पुनर्स्थापना जैसे महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होते हैं।

इस अवसर पर मध्यस्थता केन्द्र दुर्ग में भी विशेष रूप से मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण के प्रयास किए जाएंगे। मध्यस्थता प्रक्रिया में पक्षकार स्वयं समाधान का मार्ग तय करते हैं, जिससे विवादों का शांतिपूर्ण एवं स्थायी समाधान संभव हो पाता है। सिविल, आपराधिक, वैवाहिक, पारिवारिक, बैंकिंग, चेक अनादरण, मोटर दुर्घटना दावा, श्रम, विद्युत एवं अन्य राजीनामा योग्य प्रकरणों को मध्यस्थता के माध्यम से निराकृत किए जाने हेतु पक्षकारों को प्रेरित किया जा रहा है।

इसके साथ ही सवीच्च न्यायालय में 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत के संबंध में जिला दुर्ग से जुड़े चिन्हांकित प्रकरणों में भी पक्षकारों को नोटिस जारी कर आहूत किया गया है। इन मामलों में भी आपसी समझौते एवं सौहादर्पूर्ण समाधान के माध्यम से विवादों के निराकरण की दिशा में विशेष प्रयास किए जाएंगे, ताकि पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सके।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने समस्त पक्षकारों, अधिवक्ताओं एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत एवं मध्यस्थता प्रक्रिया का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपने विवादों का सौहादर्पूर्ण समाधान सुनिश्चित करें तथा न्याय को सरल एवं मानवीय बनाने के इस अभियान में सहभागी बनें।

इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में अजय भसीन ने की ज्यूरी की भूमिका

बेस्ट इनोवेशन को किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के महामंत्री अजय भसीन ने ज्यूरी मेम्बर के रूप में सक्रिय सहभागिता निभाई। उन्होंने उत्कृष्ट नवाचारों का मूल्यांकन कर बेस्ट इनोवेशन को पुरस्कृत किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों के अभिनव प्रयासों की सराहना की और नवाचार को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण कदम बताया।

युवाओं को स्टार्टअप में सहयोग का भरोसा

अपने उद्बोधन में अजय भसीन ने कहा कि आज का युग नवाचार और तकनीक का है। युवा अपनी प्रतिभा से नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स युवाओं के नवाचार, स्टार्टअप और व्यवसायिक विकास में हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने पर फाइनेंस और मार्केट दिलाने में चेम्बर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री व वित्तमंत्री रहे मौजूद

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी समेत कई गणमान्य अतिथि शामिल हुए। सभी ने युवाओं के प्रयासों की सराहना की और प्रदेश में नवाचार संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि इनोवेशन महाकुंभ 1.0 ने युवाओं को प्रतिभा दिखाने का सशक्त मंच दिया है। इससे प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को नई दिशा मिलेगी।

भिलाई चेम्बर के पदाधिकारी भी हुए शामिल

कार्यक्रम में भिलाई चेम्बर के अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा, शंकर सचदेव, राजेश शर्मा, विनय सिंह, सुनील मिश्रा, गौरव मोंगिया, निरंकार सिंह और प्रेम गहलोत समेत अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

बेटियों के 'चाचा' बनकर विधायक रिकेश सेन पहुंचे शाहनियाज के घर, 'लाडो' को दिया 'माँ का दुलार'

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधानसभा के विधायक रिकेश सेन आज अपनी अनूठी मुहिम 'माँ-शिशु सुरक्षा कवच' के तहत वार्ड-21 के निवासी शाहनियाज आलम के घर पहुँचे। यहाँ उन्होंने शाहनियाज आलम और शबनम खातून की नवजात सुपुत्री, जिसका नाम परिवार ने प्यार से 'लाडो' रखा है, को अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया।

हर बेटी के लिए चाचा का फर्ज : विधायक रिकेश

विधायक रिकेश सेन ने 1 मई से अपने क्षेत्र में एक विशेष संकल्प लिया है कि वे क्षेत्र में जन्म लेने वाली हर बेटी के 'चाचा' बनकर उसका स्वागत करेंगे। इसी कड़ी में आज वे आलम जी के निवास पहुँचे और नन्ही 'लाडो' को अपनी गोद में लेकर दुलार किया। उन्होंने परिवार को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

'माँ का दुलार' किट भेंट की

इस अवसर पर विधायक ने परिवार को 'माँ का दुलार' उपहार स्वरूप भेंट किया। यह एक विशेष गिफ्ट ट्रॉली सूटकेस है, जिसमें नवजात शिशु और माँ की जरूरत का हर सामान शामिल है।

किट की विशेषता : इस सूटकेस में ब्रांडेड कपड़े, बिस्तर और स्वच्छता से जुड़ी 25 से अधिक वस्तुएं शामिल हैं, जिसकी बाजार दर लगभग 11,000 रुपये है।

उद्देश्य : संसाधनों की कमी के कारण किसी भी माँ या शिशु को असुविधा न हो और समाज में बेटियों के जन्म को एक उत्सव की तरह मनाया जाए।

क्षेत्र में हर्ष का माहौल

विधायक की इस संवेदनशीलता को देखकर शाहनियाज आलम और शबनम खातून ने आभार व्यक्त किया। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि मेरी विधानसभा में जन्म लेने वाली हर बेटी मेरी अपनी भतीजी है। संसाधनों की कमी उनकी मुस्कान के आड़े नहीं आनी चाहिए। 'माँ-शिशु सुरक्षा कवच' इसी दिशा में मेरा एक छोटा सा प्रयास है।

भिलाई चरोदा निगम क्षेत्र का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-3

नगर भिलाई-चरोदा के उमदा वार्ड में मंगलवार को आयोजित सुशासन तिहार का कलेक्टर अभिजीत सिंह ने निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम चरोदा के आयुक्त डीएस राजपूत, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) महेश सिंह राजपूत सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वही निगम महापौर निर्मल कोसरे, विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, दिलीप पटेल, नेता प्रतिपक्ष राम खिलावन वर्मा, वरिष्ठ पार्षद फिरोज फारूखी ने भी विभिन्न स्टालों का निरीक्षण कर जानकारी ली और हितग्राहियों से बात किया।

राज्य शासन के निर्देशानुसार सुशासन तिहार 2026 के तहत नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा क्षेत्र में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान करना है। शिविर का आयोजन वार्ड क्रमांक 6 स्थित सामुदायिक भवन उमदा में किया गया, जिसमें वार्ड क्रमांक 1 से 6 तक के नागरिक शामिल हुए। नागरिकों से सीधे आवेदन लेकर समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया शुरू की गई। निगम क्षेत्र में 11 मई को मंगल भवन में वार्ड 7 से 17 तक का आयोजन किया जाएगा। वार्ड 1 से 6 तक के लिए आयोजित शिविर में 78 मांग और 10 शिकायत का आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें 52 निकाय संबंधित और 36 अन्य विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

कार्यक्रम के संचालन के लिए निगम आयुक्त दशरथ सिंह राजपूत ने पहले से ही योजना बना रखी थी और नोडल अधिकारी तथा संबंधित अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया था। शिविर में पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सुशासन तिहार के अंतर्गत 1 मई से 10 जून तक वाडर्वार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, कलेक्टर ने लगाए गए स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन किया और वहां आभा आईडी बनाने की प्रक्रिया की जानकारी ली। शिविर में कुल 23 लोगों की आभा आईडी बनाई गई। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने लोगों को आभा आईडी बनवाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से अपने सामने ही एक हितग्राही की आभा आईडी बनवाई। स्वास्थ्य शिविर के संयोजक बीईटीओ सैयद असलम ने बताया कि कलेक्टर ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आभा आईडी अवश्य बनवानी चाहिए। यह आईडी व्यक्ति के स्वास्थ्य संबंधी संपूर्ण जानकारी रखती है, जिससे किसी भी स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर को इलाज उपलब्ध कराने और मरीज की पूर्व की स्वास्थ्य स्थिति का पता लगाने में सहयोग मिलता है।

आम की छांव में बदले सपनों के मायने : मुख्यमंत्री साय बोले– "अब करोड़पति दीदी बनने की सोचिए"

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-कबीरधाम

सुशासन तिहार के तहत कबीरधाम जिले के वनांचल में 4 मई को ऐसा दृश्य दिखा जिसने सरकारी योजनाओं को आंकड़ों से निकालकर जमीनी हकीकत से जोड़ दिया। ग्रामपंचायत लोखान के कमराखोल में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अचानक ग्रामीणों के बीच पहुंचे। आम के विशाल पेड़ की छांव में चौपाल सजी और मुख्यमंत्री जमीन पर बैठकर महिलाओं से आत्मीय संवाद किया।

चौपाल में महिलाओं ने आर्थिक तंगी से आत्मनिर्भर बनने तक का सफर साझा किया। जब मुख्यमंत्री को बताया गया कि बिहान योजना से जुड़कर कई महिलाएं "लखपति दीदी" बन चुकी हैं, तो उन्होंने कहा कि आपानो मेहनत से जिंदगी बदली है। अब यहीं मत रुकिए। बड़ा सोचिए। अब आपको करोड़पति दीदी बनने का सपना देखना है।

कचरा तेलगाम की बदलती कहानी

ग्राम कुकदूर की कचरा तेलगाम ने बताया कि बिहान योजना से मिले दो लाख रुपये के ऋण से उन्होंने शटरिंग प्लेट्स खरीदीं और व्यवसाय शुरू किया। आज उनके पास करीब 1700 वगर्फुट शटरिंग सामग्री है। वे 22 से अधिक मकानों के निर्माण में सहयोग कर चुकी हैं। इससे हर साल ढाई से तीन लाख रुपये की आय हो रही है।

कचरा तेलगाम ने कहा कि पहले वे केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित थीं। अब परिवार की आर्थिक ताकत बन चुकी हैं। बच्चों की पढ़ाई, घर की जरूरतें और भविष्य की बचत सब वे आत्मविश्वास से संभाल रही हैं। मुख्यमंत्री के अपनेपन से लगा कि हमारी मेहनत को किसी ने देखा और समझा है।

बदलाव की धुरी बनीं महिलाएं

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता दूरस्थ अंचलों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होती हैं तो पूरा परिवार और समाज मजबूत होता है।

सुशासन तिहार के इस दौरे ने दिखाया कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं गांवों में आर्थिक बदलाव की नई धुरी बन चुकी हैं। आम की छांव में हुई यह चौपाल "लखपति दीदी" से "करोड़पति दीदी" तक के सपने को गांव-गांव में नई उम्मीद बना रही है।

खास खबर

वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गान जैसा वैधानिक संरक्षण, मुख्यमंत्री ने बताया राष्ट्रभावना का सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गान के समान वैधानिक संरक्षण देने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम देश की सांस्कृतिक चेतना, स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत और राष्ट्रभक्ति की भावना को सम्मान देने वाला ऐतिहासिक निर्णय है।

अधिनियम में संशोधन को मिली मंजूरी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इससे अब वंदे मातरम् को भी राष्ट्रीय गान की तरह वैधानिक संरक्षण मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और आत्मसम्मान का विषय है।

"भारत की आत्मा है वंदे मातरम्" : मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ह्यवंदे मातरम् भारत की आत्मा, स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा और करोड़ों देशवासियों की राष्ट्रनिष्ठा का प्रतीक रहा है। आजादी की लड़ाई में इस गीत ने देशवासियों में नई ऊर्जा और आत्मबल का संचार किया था। आज भी यह हर भारतीय के मन में मातृभूमि के प्रति समर्पण और गौरव की भावना जगाता है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान और मजबूत होगा।

पीएम और गृह मंत्री का जताया आभार : मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भारत की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय गौरव और जनभावनाओं को सवोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् और सभी राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने का आह्वान किया।

जहां लगती थी जन-अदालत, वहां पहुंचा सुशासन पुजारी कांकेर में पहली बार लगा जनसमस्या शिविर

रायपुर/बीजापुर। कभी माओवादियों की जनताना सरकार की जन-अदालत लगने वाले सुदूर ग्राम पुजारी कांकेर में पहली बार प्रशासन का महाशिविर लगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के "सुशासन तिहार-2026" के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में सभी विभागों का अमला एक साथ गांव पहुंचा। इसे देखने और योजनाओं का लाभ लेने बड़ी संख्या में ग्रामीण उत्साह से जुटे।

18 पंचायतों के ग्रामीण हुए शामिल : शिविर में पुजारी कांकेर के साथ

मारुड़बाका, नेलाकांकेर, संकनपल्ली, तिम्मापुर, ईलमिड़ी, सेमलडोडी, लंकापल्ली, एंगपल्ली, गलगम, उसूर, आवापल्ली, चिंताकोंटा, मुरदंडा, चेरकडोडी, नुकनपाल, पुसगुड़ी और मुरकीनार पंचायतों के ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीणों ने स्थानीय भाषा में योजनाओं की जानकारी ली और आवेदन दिए। प्राप्त आवेदनों में से 29 का मौके पर ही निराकरण किया गया, शेष पर कारर्वाई जारी है।

सभी विभागों ने दी योजनाओं की जानकारी : क्रेडा, जल जीवन मिशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आयुष, कृषि, उद्यानिकी, वन, मत्स्य, विद्युत, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास समेत सभी विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी और पात्र हितग्राहियों से आवेदन लिए। पात्रों को सहायक उपकरण, बैशाखी, वाकिंग स्टिक, श्रवण यंत्र, मत्स्य जाल, आईस बॉक्स, मृदा परीक्षण प्रमाण पत्र बांटे गए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने गर्भवती माताओं की गोदभराई और नवजातों का अन्नप्राशन कराया। स्वास्थ्य विभाग ने निःशुल्क जांच, दवा वितरण और परामर्श दिया।

"मुख्यमंत्री के संकल्प से पहुंचा प्रशासन": जिला पंचायत अध्यक्ष : मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संकल्प का ही परिणाम है कि आज पुजारी कांकेर जैसे क्षेत्र में प्रशासनिक अमला पहुंचा है। यहां कभी माओवाद के भय से साप्ताहिक बाजार भी बंद हो जाते थे। अब ग्रामीण खुलकर अपनी समस्याएं और मांगें रख रहे हैं।

तीन राज्यों की कनेक्टिविटी होगी मजबूत : मुख्यमंत्री ने दी सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर जशपुर जिले को बड़ी सौगात मिली है। राज्य शासन ने कुनकुरी-तपकरा-लवाकेरा मार्ग पर श्री नदी में उच्च स्तरीय पुल और पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 9 करोड़ 45 लाख 85 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी है। यह पुल छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा को जोड़ने वाले अहम मार्ग पर बनेगा।

तीनों राज्यों के बीच आवागमन होगा आसान

यह मार्ग छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। उच्च स्तरीय पुल बनने से तीनों राज्यों के बीच आवागमन सुरक्षित, सुगम और निर्बाध हो जाएगा। इससे व्यापार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

सकरा पुल से मिलेगी निजात

वतर्मान में इस मार्ग पर स्थित सकरा पुल बरसात में बड़ी समस्या बन जाता था। जलस्तर बढ़ने पर आवागमन ठप हो जाता था और ग्रामीणों को जोखिम लेकर सफर करना पड़ता था। क्षेत्रवासी लंबे समय से उच्च स्तरीय पुल की मांग कर रहे थे। स्वीकृति मिलने के बाद इलाके में खुशी का माहौल है।

स्थानीयों ने जताया आभार

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार सीमावर्ती और ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता दे रही है। पुल बनने से हजारों लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। क्षेत्रवासियों का मानना है कि श्री नदी पर बनने वाला यह पुल जशपुर के विकास का नया द्वार साबित होगा और दूरस्थ अंचलों को बेहतर संपर्क सुविधा से जोड़ेगा। यह कार्य वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल है।

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वषर्गांठ : मुख्यमंत्री ने वीर सैनिकों को किया नमन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वषर्गांठ पर भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को नमन किया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल सैन्य कारर्वाई नहीं, बल्कि नए भारत की अटूट इच्छाशक्ति और निर्णायक शक्ति का प्रतीक है।

"इतिहास में जुड़ा शौर्य का स्वर्णिम अध्याय" : मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि एक वर्ष पूर्व पहलगाम में सीमा पार से आतंकियों के हमले ने पूरे राष्ट्र को झकझोर दिया था। भारत ने उस चुनौती का ऐसा जवाब दिया, जिसने इतिहास में शौर्य और संकल्प का स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया।

"भारत अब चुप नहीं बैठता" : मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ह्लऑपरेशन सिंदूरह्व ने दुनिया को संदेश दिया कि नया भारत अब आतंकवाद को किसी भी

स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत चुपचाप सहने वाला राष्ट्र नहीं रहा। मातृभूमि की ओर उठने वाली हर बुरी नजर का निर्णायक जवाब देने में सक्षम है। जिस सटीकता और दृढ़ता से आतंक के सरपरस्तों को जवाब दिया गया, उसने वैश्विक मंच पर भारत की सैन्य शक्ति की नई पहचान बनाई।

"शून्य सहिष्णुता नीति जमीन पर उतरी" : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के प्रति ह्लशून्य सहिष्णुताह्व की नीति को केवल शब्दों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि धरातल पर सिद्ध किया है। भारतीय सेनाओं की संयुक्त शक्ति, अत्याधुनिक युद्ध तकनीक और आत्मनिर्भर रक्षा व्यवस्था ने साबित किया कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं देता, बल्कि निर्णायक प्रतिकार भी करता है।

मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के वीर सपूतों को नमन करते हुए कहा कि उनका पराक्रम और बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा रहेगा। उन्होंने पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

धमतरी का गौरव : 'विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना' में बनाया कीर्तिमान

प्रदेश के कुल चने का 50% अकेले खरीदा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-धमतरी

'विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना' को धरातल पर उतारने में धमतरी जिला प्रदेश के लिए मॉडल बनकर उभरा है। जिले ने भंडारण ढांचे के विस्तार के साथ चना खरीदी में नया रिकॉर्ड बनाया है। पूरे प्रदेश में हुई कुल चना खरीदी का करीब 50 प्रतिशत हिस्सा अकेले धमतरी से दर्ज हुआ है।

4 पैक्स में बनेंगे 2500 मीट्रिक टन के महा-गोदाम

योजना के तहत ठउउक्रायपुर ने जिले की चार प्रमुख प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को 'गोदाम हायरिंग एश्योरेंस लेटर' जारी कर दिए हैं। अंवरी, कोसमर्रा, पोटियाडीह और कोलियारी पैक्स में अत्याधुनिक भंडारण व्यवस्था होगी। हर गोदाम की क्षमता 2500 मीट्रिक टन होगी। इन्हें चने के वैज्ञानिक भंडारण के लिए तैयार किया जा रहा है।

लक्ष्य के करीब, खरीदी जारी

धमतरी ने अब तक 97 हजार क्विंटल चने की खरीदी पूरी कर ली है। जिले का प्रारंभिक लक्ष्य 1 लाख क्विंटल है। लक्ष्य के करीब पहुंचने के बावजूद खरीदी जारी है। पूरे छत्तीसगढ़ में हुई कुल चना खरीदी का लगभग 50 प्रतिशत अकेले धमतरी से है।

तकनीकी बैठक की तैयारी

योजना को गति देने के लिए एग्रीमेंट और एमओयू की प्रक्रिया तेजी से पूरी की गई है। जमीनी स्तर की तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए ठउउक्रमुख्यालय, नई दिल्ली के साथ आरसीएस अधिकारियों और पैक्स प्रबंधकों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक की तैयारी है।

क्या है योजना?

भारत सरकार ने 31 मई 2023 को 'विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना' शुरू की थी। इसका उद्देश्य गांवों में ही पैक्स के जरिए भंडारण, प्रोसेसिंग यूनिट और कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित करना है। इससे परिवहन लागत घटेगी और भंडारण के अभाव में अनाज की बर्बादी रुकेगी।

धमतरी की सफलता किसानों की मेहनत और प्रशासन के बेहतर समन्वय का नतीजा है। इससे खाद्यान्न की बर्बादी रुकेगी और किसानों को उपज का सही दाम मिलेगा। जिले की यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य जिलों के लिए प्रेरणा बन गई है।

अबूझमाड़ में डिजिटल सूर्योदय : ताहकाडोंड में पहली बार गूंजी मोबाइल की घंटी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में संचार क्रांति का नया अध्याय जुड़ गया है। नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम ताहकाडोंड में मोबाइल टावर की स्थापना के साथ ही पहली बार मोबाइल की घंटी गूंजी है। सदियों से 'नो नेटवर्क जोन' में रहे इस क्षेत्र में अब ग्रामीणों को फोन करने के लिए पहाड़ियों पर नहीं चढ़ना पड़ता।

400 ग्रामीणों को सीधा लाभ

ग्राम पंचायत मेटानार के आश्रित गांव ताहकाडोंड के साथ कदेर और ब्रेहबेड़ा के करीब 400 ग्रामीण अब सीधे

तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। पहले एक कॉल के लिए ग्रामीणों को ऊंचे पहाड़ों पर चढ़ना या कई किलोमीटर पैदल चलकर मुख्य सड़क तक आना पड़ता था। टावर लगने से 'नो सिग्नल' से 'कनेक्टिविटी' तक का सफर पूरा हुआ है।

आपात सेवा से ई-गवर्नेंस तक

मोबाइल कनेक्टिविटी अब जीवन रक्षक भी बन रही है। आपात स्थिति में ग्रामीण तुरंत 108 एंबुलेंस को कॉल कर सकते हैं। समय पर इलाज मिलने से मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी और गंभीर बीमारियों के प्रबंधन में मदद मिलेगी। इंटरनेट से ग्रामीण ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और सरकारी योजनाओं के लिए घर बैठे आवेदन कर रहे हैं। शासन की योजनाओं की जानकारी सीधे हितग्राहियों तक पहुंच रही है। इससे बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई है और पारदर्शिता बढ़ी है।

खुले शिक्षा और रोजगार के द्वार

ताहकाडोंड के ग्रामीणों ने इसे नए युग की शुरुआत बताया है। मोबाइल नेटवर्क से शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार होगा। स्थानीय उत्पादों के लिए बाजार और युवाओं के लिए सूचना के नए द्वार खुलेंगे।

अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में टावर की स्थापना शासन की सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम है। यह साबित करता है कि भौगोलिक बाधाएं अब विकास के आड़े नहीं आएंगी।

बस्तर में लीची की सफल खेती : 9 साल की मेहनत रंग लाई, अब बदलेगी किसानों की तस्वीर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जगदलपुर

बस्तर की पहचान अब बदलने जा रही है। पारंपरिक खेती वाले इस क्षेत्र में पहली बार लीची के पौधों में सफल फलन हुआ है। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के क्रांतिकारी डेब्रिधुर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र जगदलपुर के वैज्ञानिकों की 9 साल की मेहनत से यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसे बस्तर की कृषि के लिए गेम चेंजर माना जा रहा है।

2016-17 में शुरू हुआ था प्रयोग

इस सफलता की नींव साल 2016-17 में पड़ी, जब तत्कालीन वैज्ञानिक डॉ. गणेश प्रसाद नाग ने अनुसंधान केंद्र अंबिकापुर से लीची की उन्नत किस्में लाकर जगदलपुर प्रक्षेत्र में रोपण कराया। उस समय बस्तर की जलवायु में लीची की खेती का कोई उदाहरण नहीं था। वैज्ञानिकों ने इसे चुनौती के तौर पर लिया। इंद्रा लीची-2, अंबिका लीची-1, चाइना, शाही और रोज सेंटेड जैसी पांच किस्मों के करीब 40 पौधे लगाए गए। 9 साल तक वृद्धि, जलवायु

अनुकूलन और उत्पादन पर अध्ययन चला। अब इन पौधों में फल लगना शुरू हो गया है।

फल विज्ञान विभाग ने सुलझाई तकनीकी चुनौतियां

फल विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. रामकुमार देवांगन ने पौध प्रावर्धन, पुष्पन, फल सेट सुधार, ट्रेनिंग, प्रूनिंग और फ्रूट क्रैकिंग जैसी समस्याओं पर शोध किया। डॉ. भागवत कुमार भगत ने लीची के जूस, जैली जैसे मूल्य संवर्धित उत्पादों पर काम किया, ताकि किसानों को बाजार से जोड़ा जा सके। ग्राफ्टिंग और फ्रूट क्रैकिंग रोकने पर भी काम जारी है।

कुलपति बोले- मील का पत्थर साबित होगी उपलब्धि

कुलपति प्रो. रवि रतन सक्सेना ने कहा कि बस्तर में लीची की सफल फलन केवल शोध सफलता नहीं, बल्कि क्षेत्रीय कृषि विकास का मील का पत्थर है। यह साबित करता है कि बस्तर में भी उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की अपार संभावनाएं हैं। लीची जैसी नगदी फसल किसानों की आय बढ़ाएगी, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देगी और बागवानी आधारित अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य तकनीक को किसानों तक पहुंचाकर आर्थिक सशक्तिकरण करना है।

किसानों को मिलेंगे पौधे और प्रशिक्षण

उद्यानिकी महाविद्यालय जगदलपुर के अधिष्ठाता डॉ. नाग ने बताया कि सफल उन्नत किस्मों के पौधे अब मांग के अनुसार किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। महाविद्यालय प्रक्षेत्र को मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

खुलेगी आय और रोजगार की नई राह

लीची की सफल खेती से बस्तर के किसान अब सीमित फसलों से आगे बढ़कर नगदी फसल अपना सकेंगे। बाजार में लीची की अच्छी कीमत मिलने से सीधा लाभ होगा। बागवानी से रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। वैज्ञानिक उत्पादन से प्रोसेसिंग तक का रोडमैप तैयार कर रहे हैं। भविष्य में बस्तर लीची उत्पादन और प्रसंस्करण का प्रमुख केंद्र बन सकता है।

सुदूर कोरवा बसाहटों में 113 हैंडपंप-बोरवेल की होगी खुदाई, एक माह में पूरा होगा काम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-अंबिकापुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर सरगुजा जिले के सुदूर एवं पहाड़ी कोरवा बसाहटों में पेयजल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। इन क्षेत्रों में कुल 113 हैंडपंप एवं बोरवेल की खुदाई की जाएगी। कलेक्टर अजीत वसंत ने संबंधित विभागों को एक माह के भीतर सभी कार्य पूरे करने के निर्देश दिए हैं।

सीएम ने दिए थे तत्काल कारर्वाई के निर्देश : मुख्यमंत्री ने सरगुजा में पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर को तत्काल प्रभावी कारर्वाई के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित न हों। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सवोच्च प्राथमिकता है।

ब्लॉकवार लगेंगे हैंडपंप : स्थलीय सर्वे के बाद लुण्ड्रा में 34, बतौली में 06, लखनपुर में 22, अम्बिकापुर में 11, सीतापुर में 16, मैनपाट में 20 तथा उदयपुर में 04 हैंडपंप एवं बोरवेल खनन किए जाएंगे। यह कार्य डीएमएफ मद से होगा। 24 अप्रैल को जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक में पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज सहित सदस्यों की सहमति से कार्य की स्वीकृति दी गई।

हजारों ग्रामीणों को मिलेगी राहत : कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ को निर्देश दिए हैं कि कार्य प्राथमिकता से एक माह में पूरे किए जाएं। इससे सुदूर एवं पहाड़ी कोरवा बसाहटों में स्थायी पेयजल सुविधा सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री की इस पहल से वर्षों से पेयजल समस्या झेल रहे सैकड़ों गांवों के हजारों निवासियों को राहत मिलेगी।

संपादकीय

जीत सामूहिक जिम्मेदारी इसलिए जश्न सामूहिक होता है

भाजपा राष्ट्रीय पार्टी है, देश के ज्यादातर राज्यों में भाजपा व एनडीए की सरकारें हैं। मोदी युग में भाजपा का जैसा विस्तार देश में हुआ है,वह अभूतपूर्व है। सही मायने में आज लगता है कि भाजपा ही कांग्रेस का विकल्प है और जिस मुकाम पर इंदिरा गांधी के समय कांग्रेस थी आज उस मुकाम पर भाजपा है और जिस स्थिति में कभी भाजपा थी,उस स्थिति में आज कांग्रेस है। भाजपा और कांग्रेस में आज जमीन आसमान का फर्क है तो इसकी वजह यह है कि भाजपा व कांग्रेस की कार्यप्रणाली मे अंतर है। भाजपा आज ऐसी चुनावी मशीनरी बन चुकी है जिसके लिए असंभव कुछ नहीं है।

मोदी युग के पहले पं.बंगाल मे भाजपा कहीं भी नहीं थी।वहां कभी कांग्रेस,वामपंथीदलों की तूती बोलती थी। कोई सोचता नहीं था कि भाजपा कभी बंगाल मे सरकार बना सकती है। मोदी युग में सोचा ही नही गया नहीं प्रयास शुरू किया गया। कहा जाता है कि कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती। भाजपा ने पं.बंगाल में इस बात को सही साबित करके दिखाया है। भाजपा ने 15 साल पं.बंगाल में कड़ी मेहनत की है। उसके कार्यकर्ताओं ने भाजपा के जड़े मजबूत करने के लिए जान की कुर्बानी दी है। पहली बार चुनाव लड़ा,हार गए। फिर चुनाव जीतने की रणनीति बनाई फिर हार गए।दो बार पं.बंगाल में हारने के बाद भी भाजपा ने हार नहीं मानी। भीतर भरोसा था कि पं. बंगाल हम एक दिन जीतेंगे जरूर। आखिर जिस ममता बैनर्जी को अपराजेय माना जाता था उसे हराने और पं.बंगाल मे चुनाव जीतने का ऐतिहासिक काम भाजपा ने कर दिखाया।

यह काम संभव हो सका तो इसलिए अब भाजपा को किसी राज्य में चुनाव जीतने का काम उस राज्य के संगठन व नेताओं का काम नहीं है, अब किसी राज्य में भाजपा को जिताने का काम पूरी पार्टी के साथ हर राज्य के सीएम से लेकर नेताओं व कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी हो गई है। पं. बंगाल में भाजपा को चुनाव जीतने के लिए छत्तीसगढ़ से लेकर तमाम राज्यों के सीएम चुनाव प्रचार करने गए और वहां की जनता को बताया कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वहां वह जनता के लिए क्या क्या काम कर रही है। पं.बंगाल की जनता को हर राज्य के सीएम व बड़े नेताओं ने यकीन दिलाया कि भाजपा की जहां सरकार है वहां चुनाव में किया गया वादा पूरा किया गया है। इससे पं.बंगाल की जनता को भरोसा हुआ कि भाजपा यहां भी जो वादा कर रही है उसे पूरा करेगी।जब सभी राज्यों के भाजपा संगठन व सरकारों का सहयोग मिलता है चुनाव जीतने में आसानी होती है। ऐसे में पीएम मोदी व अमित शाह की मेहनत सभी नेताओं को चुनाव में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है और पीएम मोदी से लेकर कई राज्यों के सीएम की मेहतन के चुनाव जीत लिया जाता है तो इसकी सफलता का श्रेय सभी को मिलता है।

पं. बंगाल में भाजपा की जीत का श्रेय छत्तीसगढ़ के नेताओं को भी मिल रहा है क्योंकि छत्तीसग़ढ़ से अन्य राज्यो की तरह सीएम साय लेकर मंत्री, विधायक, सांसद पं.बंगाल गए थे जो नेता जिस इलाके में गया था वह बता रहा है कि उसके प्रचार किए गए इलाके में भाजपा जीती है। इससे पता चलता है कि भाजपा में किसी राज्यमें चुनाव जीतना सामूहिक जिम्मेदारी है यानी हर नेता व कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है और वह अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाता भी है, इसलिए भाजपा में जीत का जश्न मनाना भी सामूहिक होता है। ऐसा लगता नहीं है कि पं. बंगाल में भाजपा जीती है तो जश्न पं.बंगाल की भाजपा ही मनाएगी। पं.बंगाल में जीत पं. बंगाल की भाजपा की जीत नहीं है, वह पूरे भारत के भाजपा की जीत है, इसलिए हमेशा भाजपा किसी भी राज्य में चुनाव जीतती है तो इसका जश्न हर राज्य में मनाया जाता है।

कहा जाता है कि पार्टी जीतती है तो पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं में उत्साह पैदा होता है, ऐसा लगता है कि यह जीत सबकी है। पीएम मोदी इस बात को खूब समझते हैं और दिल्ली भाजपा कार्यालय में जीत के बाद जाते हैं और वहां से पूरे देश के भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को जीत का श्रेय देते हैं। इससे पूरी पार्टी को लगता है कि यह पं.बंगाल भाजपा की नहीं देश के भाजपा की जीत हैं।जीत का एक फायदा यह भी होती है कि पार्टी एकजुट होकर जीत का जश्न मनाती है। यानी हर जीत भाजपा को और एकजुट करती है। हर जीत भाजपा आगे की जीत के लिए प्रेरित भी करती है और एकजुट भी करती है। वहीं राज्य से कांग्रेस नेता भी कई राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए गए थे, किसी को चुनाव जिताने की जिम्मेदारी भी मिली थी, लेकिन केरल को छोड़कर कहीं कांग्रेस चुनाव जीती नहीं तो वह किस मुंह से कहें कि हमने कांग्रेस के लिए क्या किया।भाजपा के जीत के जश्न के दौरान इस बात की भी खूब चर्चा रही कि एक बड़े कांग्रेस नेता को जहां चुनाव जिताने के लिए भेजा जाता है, वहां कांग्रेस जरूर चुनाव हार जाती है।

स्टेट कैपिटल रीजन : छत्तीसगढ़ के समग्र विकास को नई दिशा

राजधानी क्षेत्र बनेगा आर्थिक शक्ति केंद्र, महानगरों की तर्ज पर होगा तेज विकास

सुनील कुमार त्रिपाठी, सहायक संचालक, जनसंपर्क रायपुर

छत्तीसगढ़ में सुनियोजित शहरीकरण और संतुलित क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए स्टेट कैपिटल रीजन (SCR) के गठन को मंजूरी मिल चुकी है। रायपुर सहित दुर्ग-भिलाई और नवा रायपुर अटल नगर को मिलाकर इस क्षेत्र को विकसित किया जाएगा। विधानसभा से विधेयक पारित होने के साथ ही इस महत्वाकांक्षी परियोजना को औपचारिक गति मिल गई है।

राज्य सरकार का मानना है कि यह पहल राजधानी क्षेत्र के नियोजित विकास को सुनिश्चित करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ को मध्य भारत के प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राष्ट्रीय मॉडल पर आधारित समेकित विकास

स्टेट कैपिटल रीजन का विकास देश के प्रमुख शहरी मॉडलों झ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण और हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण की तर्ज पर किया जाएगा। इस मॉडल के अंतर्गत विभिन्न शहरों को एकीकृत करते हुए क्षेत्रीय स्तर पर योजनाबद्ध विकास किया जाएगा, जिससे अवसंरचना, आवास, परिवहन और आर्थिक गतिविधियों का संतुलित विस्तार सुनिश्चित हो सके और संसाधनों का अधिकतम उपयोग संभव हो।

मुख्यमंत्री की पहल से विकास को मिली नई गति

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर तथा वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में तैयार इस योजना का उद्देश्य तेजी से बढ़ते शहरीकरण को व्यवस्थित करना और नागरिकों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सरकार का फोकस ऐसे शहरी तंत्र के निर्माण पर है जहां बेहतर आवास, उच्च स्तरीय शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, साथ ही उद्योग और व्यापार को प्रोत्साहन मिले तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए विकास को आगे बढ़ाया जा सके।

2031 तक 50 लाख आबादी के लिए व्यापक तैयारी

अनुमान है कि वर्ष 2031 तक स्टेट कैपिटल रीजन की आबादी 50 लाख से अधिक हो जाएगी। इस संभावित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा दीघर्कालीन योजनाएं तैयार की जा रही हैं। इन योजनाओं में आधुनिक परिवहन प्रणाली का विकास, सड़कों और कनेक्टिविटी का विस्तार, जल, बिजली और स्वच्छता सेवाओं का सुदृढ़ीकरण तथा स्मार्ट शहरी सुविधाओं का विस्तार शामिल है। रायपुर से दुर्ग तक प्रस्तावित मेट्रो रेल परियोजना के सर्वे के लिए बजट में प्रावधान किया गया है, जिससे क्षेत्र में तेज, सुरक्षित और सुगम आवागमन सुनिश्चित किया जा सके।

राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण करेगा समन्वित संचालन

स्टेट कैपिटल रीजन के प्रभावी विकास और प्रबंधन के लिए राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है, जो इस पूरे क्षेत्र के लिए केंद्रीय नियामक और समन्वयकारी संस्था के रूप में कार्य करेगा। यह प्राधिकरण दीघर्कालीन विकास योजनाएं तैयार करने, अधोसंरचना परियोजनाओं को लागू करने, निवेश को आकर्षित करने तथा विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाएगा। इसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे, जबकि विभिन्न विभागों के मंत्री, मुख्य सचिव और वरिष्ठ अधिकारी इसके सदस्य होंगे। साथ ही एक कायर्कारी समिति भी गठित की गई है, जो योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करेगी।

कानूनी आधार से विकास को मिली मजबूती

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को विधिक आधार प्रदान करने के लिए The Chhattisgarh Capital Region Development Authority Act, 2025 लागू किया गया है। यह अधिनियम प्राधिकरण की संरचना, शक्तियों, कार्यप्रणाली और वित्तीय अधिकारों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है, जिससे विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता सुनिश्चित होती है।

वित्तीय संसाधनों की सुदृढ़ व्यवस्था

राज्य सरकार द्वारा इस परियोजना के लिए राजधानी क्षेत्र विकास निधि और पुनरावृत्ति निधि की स्थापना का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही प्राधिकरण को विशेष उपकर लगाने, परियोजनाओं के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने और अपना वार्षिक बजट तैयार करने का अधिकार भी दिया गया है। इससे विकास कार्यों के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

निवेश, उद्योग और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

स्टेट कैपिटल रीजन के विकास से छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा। इसके परिणामस्वरूप नए उद्योग स्थापित होंगे, सेवा क्षेत्र का विस्तार होगा और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह क्षेत्र भविष्य में राज्य का प्रमुख आर्थिक हब बनकर उभर सकता है।

पहली बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की पहली बैठक विधानसभा में 11 मार्च 2026 को आयोजित हो चुकी है, जिसमें राजधानी क्षेत्र के विकास से जुड़े कई अहम विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में क्षेत्रीय मोबिलिटी और लॉजिस्टिक्स के विकास, मेट्रो संचालन के लिए टेक्नो-इकोनॉमिक फिजिबिलिटी स्टडी, सर्वेक्षण कार्यों के संचालन तथा विशेषज्ञ सलाहकारों की नियुक्ति पर चर्चा की गई।

इसके साथ ही प्राधिकरण के प्रशासकीय एवं वित्तीय अधिकारों के प्रत्यायोजन, ऑडिट सेवाओं के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट की नियुक्ति तथा प्लानिंग प्रभाग के लिए विशेषज्ञों की सेवाएं लेने के प्रस्तावों पर भी सहमति बनी।

बैठक में राजधानी क्षेत्र विकास एवं निवेश योजना तैयार करने की कायर्योजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इसके अंतर्गत निवेश क्षेत्रों का चिन्हांकन, आवश्यक सर्वेक्षण, अनुसंधान एवं अध्ययन तथा चरणबद्ध परियोजना क्रियान्वयन की रणनीति तैयार की जाएगी। साथ ही भूमि विकास और आवंटन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने पर भी सहमति बनी। प्राधिकरण की प्रारंभिक गतिविधियों के लिए 27 करोड़ रुपए के प्रावधान की जानकारी भी बैठक में दी गई।

समग्र विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल

राजधानी रायपुर और उसके आसपास के क्षेत्र तेजी से एक बड़े शहरी समूह के रूप में विकसित हो रहे हैं। ऐसे में महानगरों की तर्ज पर इनके संतुलित और योजनाबद्ध विकास की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। स्टेट कैपिटल रीजन की परिकल्पना इसी आवश्यकता का परिणाम है, जो भविष्य में छत्तीसगढ़ के विकास का प्रमुख ग्रोथ इंजन बनेगा।

स्टेट कैपिटल रीजन की पहल छत्तीसगढ़ के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। योजनाबद्ध शहरीकरण, आधुनिक अधोसंरचना और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में राज्य के आर्थिक विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा और छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगा।

पंजाब के भाजपाई मंसूबे : सरहदी राज्य के नारे संग चुनावी रणनीति

केवल तिवारी

पश्चिम बंगाल और असम जैसे बॉर्डर स्टेट्स के बाद अब भाजपा पंजाब के लिए सरहदी राज्य का नारा देने की तैयारी में है। भाजपा मुख्यालय में बंगाल-असम जीत के जश्न के दौरान भी इसकी झलक मिली।

बंगाल जीत से उत्साहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पैनी नजर अब पंजाब पर है। अकाली दल के साथ पहले भी पंजाब में सत्ता का स्वाद चख चुकी भाजपा अब यहां एकला चलो की रणनीति पर काम कर रही है। बेशक पंजाब के सियासी शतरंज में शह-मात के खेल में गोटी फिट करना टेढ़ी खीर है, लेकिन पश्चिम बंगाल और असम जैसे बॉर्डर स्टेट्स के बाद अब वह पंजाब के लिए ह्यसरहदी राज्य का नारा देने की तैयारी में है। भाजपा मुख्यालय में बंगाल- असम जीत के जश्न के दौरान भी इसकी झलक मिली। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ इस जश्न में अनेक सिख नेता शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के दौरान इन लोगों ने खूब नारे लगाए।

पंजाब को लेकर भाजपा इसलिए भी उत्साहित है क्योंकि उसे यकीन है कि फिर से एकजुट हो रहे इंडिया गठबंधन की एकता यहां नहीं रहेगी। इस राज्य में कांग्रेस तो अकेले लड़ेगी ही, आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में वापसी की अलग से पूरी कोशिश करेगी। आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल कह चुके हैं कि भाजपा के विजय रथ को पंजाब रोकेगा। अकाली दल अपनी तैयारी कर ही रहा है। कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों की भी चुनाव में भूमिका होती है। ऐसे में भाजपा बिखरे विपक्ष का फायदा उठाएगी। इसी तरह का लाभ उसे बंगाल और असम में भी मिला है।

चुनाव परिणाम के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए ये आखिरी विजय है। साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि पंजाब के बाद मोदी सरकार गिर जाएगी। आप से भाजपा में गए राज्यसभा सदस्यों का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मोदी सरकार ने पंजाबियों की इन सीटों को लूटा है। पश्चिम बंगाल की निवतर्मान मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने पहली प्रतिक्रिया में आरोप लगाया कि भाजपा ने सौ सीटों की लूट की है। इसी तरह सपा प्रमुख अखिलेश यादव एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी चुनाव में सीट चोरी का आरोप लगाया है। वह मोदी के खिलाफ अक्सर ऐसे ही शब्द का इस्तेमाल करते हैं।

इस बीच, भाजपा नेताओं ने 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल में मिली सफलता को दोहराने की उम्मीद जताई है। भाजपा के रणनीतिकार सरहदी राज्य की सुरक्षा, नशा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं। वैसे पंजाब के अलावा अगले साल गुजरात, गोवा, मणिपुर, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में भी चुनाव हैं, लेकिन भाजपा के लिए पंजाब प्रमुख है। पार्टी यहां अपना वर्चस्व बनाकर एक संदेश देने की कोशिश में है।

अन्य राज्यों में भी भाजपा की तैयारी जोरों पर है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। इन राज्यों में पार्टी पदाधिकारियों की विभिन्न बैठकों में भाग ले चुके नबीन अब पीएम और गृह मंत्री अमित शाह के साथ चर्चा कर रहे हैं। इन राज्यों के साथ ही भाजपा उत्तराखंड के लिए भी जोरशोर से जुट गयी है। उत्तराखंड, गुजरात भी एक तरह से सरहदी राज्य हैं। उत्तराखंड में जहां चीन और नेपाल की सीमाएं लगती हैं, वहीं गुजरात का एक हिस्सा पाकिस्तान सीमा से सटा है। पंजाब भी पाकिस्तान सीमा से सटा है। मणिपुर राज्य भी म्यांमार से सटा है और यहां कुछ समय तक अशांति रही। हालांकि अभी भी इस सरहदी राज्य में हिंसा की छिटपुट वारदातें हो रही हैं। दो समुदायों के बीच संघर्ष को सुलझाने का काम भाजपा सरकार नहीं कर पाई है। मणिपुर को लेकर कांग्रेस अनेक बार भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधती रही है।

काबिल-ए-गौर है कि वतर्मान में उत्तर प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में भाजपा की सरकार है, जबकि पंजाब में आप और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीतकर दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल कर इतिहास रच दिया। यहां उसने तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत कर दिया। असम में सत्तारूढ़ राजग दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के बाद लगातार तीसरी बार राज्य में सत्ता में लौटा है। राजग ने 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटों पर जीत दर्ज की। भाजपा ने 82 सीट पर जीत हासिल की जबकि उसके सहयोगी दलों- बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) और असम गण परिषद (एजीपी) को 10-10 सीट पर जीत मिली है। राज्य में भाजपा ने पहली बार अपने दम पर बहुमत हासिल किया है।

भारत के ज्यादातर राज्यों में काबिज हो चुकी भाजपा या राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) अब पूरा जोर पंजाब पर लगाएगी। उधर, हालिया हार के बाद इंडिया गठबंधन एकजुट होने की एक बार फिर कोशिश कर रहा है। अब देखना होगा कि पंजाब में भाजपा अपने पूर्व सहयोगी शिरोमणि अकाली दल के साथ फिर से मैदान में उतरने की कोशिश करती है या फिर इस राज्य में भी वह कोई नया प्रयोग करेगी। वैसे दोनों दलों के कुछ स्थानीय कार्यकर्ता इस गठबंधन को जरूरी बता रहे हैं, लेकिन शीर्ष स्तर पर इस तरह की किसी चर्चा की कोई बात सामने नहीं आई है। इस एका की बात के उलट भाजपा के बड़े नेता सार्वजनिक मंचों पर अकेले चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं। लगभग आठ महीने बाद चुनावी रण में पार्टियां नजर आएंगी।

तेजाब और पितृसत्ता के बीच संघर्ष करती स्त्री

डॉ. रितु सारस्वत, समाज सेवी

एसिड अटैक मानवता के मुंह पर वह तमाचा है, जहां सभ्यता, संस्कृति और संवेदनाएं एक साथ दम तोड़ती दिखाई देती हैं। ऐसे अपराध केवल किसी एक व्यक्ति पर हमला नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज की चेतना और नैतिकता को कठघरे में खड़ा कर देते हैं।

हाल ही में देश के शीर्ष न्यायालय ने शाहीन मलिक बनाम भारत संघ मामले में एसिड अटैक के संबंध में मौजूदा कानूनों के तहत तेजाब हमलों से जुड़े मामलों के निस्तारण को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। अदालत ने माना कि ऐसे अपराधों के लिए निर्धारित दंड पर्याप्त नहीं हैं तथा कई पीड़ित अब भी उचित कानूनी पहचान और सहायता से वंचित हैं। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों की भी समीक्षा की। अदालत ने पाया कि अधिनियम की वर्तमान अनुसूची में तेजाब हमले के पीड़ितों को केवल उन व्यक्तियों तक सीमित रखा गया है जो एसिड या इसी तरह के संहारक पदार्थ फेंकने से हुए हिंसक हमलों के कारण विकृत हो गए हैं। न्यायालय ने केंद्र सरकार से अनुसूची में संशोधन कर ऐसे मामलों को शामिल करने पर विचार करने को कहा।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा, यदि इस संशोधन को अधिसूचित किया जाता है तो हम इसकी सराहना करेंगे। यही नहीं पीठ ने तेजाब की सहज उपलब्धता और उसकी अवैध बिक्री पर भी गंभीर चिंता जताई और कहा कि अवैध रूप से तेजाब बेचने वाले विक्रेताओं को जिम्मेदारी से बचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए तथा ऐसे मामलों में उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि दायित्व केवल हमलावर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुनवाई के दौरान अपराधियों पर कठोर आर्थिक दंड लगाने और उनकी संपत्ति जब्त करने जैसे उपायों पर भी चर्चा हुई। अदालत ने टिप्पणी की, हमलावर की संपत्ति, जिसमें संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति में उसका हिस्सा भी शामिल है, क्यों न जब्त की जाए? हम आत्मसम्मान आदि की बात करते हैं... तो आरोपी को क्यों नहीं भुगतना चाहिए?

एसिड अटैक मानवता के मुंह पर वह तमाचा है, जहां सभ्यता, संस्कृति और संवेदनाएं एक साथ दम तोड़ती दिखाई देती हैं। ऐसे अपराध केवल किसी एक व्यक्ति पर

हमला नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज की चेतना और नैतिकता को कठघरे में खड़ा कर देते हैं। विशेष रूप से वे लोग भी प्रश्नों के घेरे में आ जाते हैं, जो इस हिंसा के विरुद्ध बोलने का साहस नहीं जुटा पाते। बिना किसी अपराध के जीवनभर असहनीय पीड़ा सहना केवल शारीरिक या मानसिक यातना भर नहीं है। यह उस धीमे जहर की तरह है, जिसमें पीड़िता हर दिन जीते हुए स्वयं को अपराधबोध, उपेक्षा और सामाजिक असहजता के बीच घिरा हुआ पाती है। विडंबना यह है कि तेजाब का प्रभाव केवल शरीर को नहीं जलाता, बल्कि वह व्यक्ति के आत्मविश्वास, संबंधों और जीवन के प्रति विश्वास को भी भीतर तक झुलसा देता है।

यदि हम यह सोचते हैं कि ऐसी कुंठित मानसिकता केवल भारत तक सीमित है, तो यह हमारी गंभीर भूल होगी। स्त्री को अस्वीकार किए जाने, नियंत्रण खो देने या आहत अहंकार के प्रतिशोध में हिंसा का शिकार बनाना दरअसल संपूर्ण विश्व की एक सामाजिक बीमारी है। पुरुष अक्सर स्त्री की न को स्वीकार नहीं कर पाता। जब उसका अहंकार घायल होता है, तब वह शक्ति, भय, हिंसा या नियंत्रण के माध्यम से स्त्री पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। और जब वह ऐसा करने में असफल होता है, तब कई बार प्रतिशोध सबसे क्रूर रूप में सामने आता है।

नारीवादी चिंतक बेल हुक्स पितृसत्ता को ऐसी व्यवस्था मानती हैं, जो पुरुष को यह विश्वास दिलाती है कि प्रभुत्व उसका स्वाभाविक अधिकार है। वहीं मनोवैज्ञानिक लंडी बैनक्रॉफ्ट अपनी पुस्तक व्हाय डज ही डू दैट? में लिखते हैं कि हिंसा केवल क्षणिक क्रोध का परिणाम नहीं होती, बल्कि उसके मूल में स्वामित्व, अधिकारबोध और नियंत्रण की मानसिकता छिपी होती है। यही कारण है कि जब कोई स्त्री अपनी स्वतंत्र इच्छा से निर्णय लेती है, असहमति जताती है या किसी संबंध को अस्वीकार करती है, तब पुरुषवादी अहंकार कई बार उसे दंडित करने पर उतारू हो जाता है।

इन तमाम असहनीय यातनाओं और सामाजिक उपेक्षाओं के बीच जो बात सबसे अधिक चकित करती है, वह है एसिड अटैक सर्वाइवर्स की अदम्य जिजीविषा। उनकी जिजीविषा पितृसत्तात्मक मानसिकता को आईना दिखाती है। जिन लोगों ने उन्हें तोड़ने, डराने और जीवनभर के लिए समाप्त कर देने का प्रयास किया, वे उनके शरीर को तो घायल कर पाए, पर उनकी आत्मा, उनका साहस और जीने की इच्छा को समाप्त नहीं कर सके। शायद यही उन अपराधियों की सबसे बड़ी हार है कि जिन स्त्रियों को वे भय और पीड़ा के अंधेरे में धकेल देना चाहते थे, वही स्त्रियां आज संघर्ष, आत्मसम्मान और साहस की सबसे मजबूत आवाज बनकर खड़ी हैं।

भारतीय एसिड अटैक सर्वाइवर रेशमा कुरैशी इसका एक सशक्त उदाहरण हैं। जिस लड़की के चेहरे को तेजाब से मिटा देने की कोशिश की गई थी, वही रेशमा बाद में न्यूयॉर्क फैशन वीक के रैंप तक पहुंचीं। यह केवल एक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध एक शांत किंतु दृढ़ प्रतिरोध था, जो किसी स्त्री की पहचान को उसके चेहरे तक सीमित समझती है। कुछ ऐसी ही कहानी ब्रिटेन की केटी पाइपर की भी है। एक भयावह एसिड अटैक के बाद लंबे समय तक शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरने वाली केटी ने स्वयं को केवल एक पीड़िता के रूप में सीमित नहीं होने दिया। अनेक सर्जरी, सामाजिक भय और आत्मसंघर्ष के बाद उन्होंने अपने अनुभवों को लेखन और सामाजिक जागरूकता का माध्यम बनाया। उनकी पुस्तक ह्यब्यूटीफुलह्न केवल एक आत्मकथा नहीं, बल्कि उस स्त्री की आंतरिक यात्रा है, जिसने अपने टूटे हुए अस्तित्व को धीरे-धीरे फिर से गढ़ा।

दरअसल, रेशमा कुरैशी, लक्ष्मी अग्रवाल और केटी पाइपर जैसी महिलाएं अकेली नहीं हैं। ईरान की अमेनेह बहरामी, कोलंबिया की नतालिया पोंसे दे लियोन, पाकिस्तान की फाखरा यूनुस और बांग्लादेश की जहरा जैसी अनेक महिलाओं ने एसिड अटैक की भयावह पीड़ा झेलने के बावजूद स्वयं को चुप्पी में कैद नहीं होने दिया। इन महिलाओं ने अपने संघर्ष को निजी दुख तक सीमित रखने के बजाय उसे सामाजिक प्रतिरोध और जागरूकता की आवाज में बदल दिया। भारत में भी एसिड अटैक सर्वाइवर्स ने अपने संघर्ष को मौन पीड़ा में बदलने से इंकार किया। आगरा, लखनऊ और नोएडा में संचालित शीरोज हैंगआउट केवल एक कैफे नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और पुनर्निर्माण का जीवित प्रतीक है। यहां काम करने वाली महिलाएं हर दिन समाज को यह संदेश देती हैं कि हिंसा किसी स्त्री के साहस को समाप्त नहीं कर सकती। जिन चेहरों को कभी समाज दया की दृष्टि से देखता था, वही चेहरे आज आत्मनिर्भरता, संघर्ष और सम्मान की नई परिभाषा लिख रहे हैं।

फिर भी सबसे बड़ा प्रश्न अब भी अनुत्तरित है आखिर एसिड हमलावर भयभीत क्यों नहीं दिखाई देते? क्या वे यह बखूबी जानते हैं कि कानून के गलियारों में अब भी ऐसी सकरी गलियां मौजूद हैं, जिनसे होकर वे बच निकलेंगे? या फिर उन्हें इस बात का आश्वासन रहता है कि दोष सिद्ध हो या न हो, जब अपराध किसी स्त्री से बदला लेने के नाम पर किया गया हो, तब समाज के लिए वह उतना अस्वीकार्य नहीं रह जाता, जितना होना चाहिए। शायद यही कारण है कि किसी स्त्री का पूरा जीवन झुलसा देने से पहले उनके भीतर भय नहीं, बल्कि एक खतरनाक प्रकार का सामाजिक आश्वासन काम करता है। जब तक कानून का भय और समाज की नैतिक अस्वीकृति समान रूप से कठोर नहीं होगी, तब तक ऐसी हिंसा केवल अपराध नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक मानसिकता के संरक्षण में पलती हुई क्रूरता बनी रहेगी।

शानदार मंच साबित हुआ खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की किरण पिस्दा और अनुष्का भगत ने भविष्य की जगाई उम्मीदें, सपनों को दिए नए पंख

छत्तीसगढ़ में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ने देशभर के जनजातीय समुदायों के खिलाड़ियों को एक मंच पर एकत्रित किया, जहाँ कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुछ के लिए यह इतनी बड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का पहला अनुभव था, तो कुछ के लिए यह उनके उभरते करियर का अगला बड़ा कदम साबित हुआ।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के पहले संस्करण में 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने भाग लिया, जिसमें 2000 खिलाड़ियों के बीच रोमांचक प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर थे। मल्लखंभ और कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों को इसमें प्रदर्शन खेलों के रूप में शामिल किया गया था। सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण छत्तीसगढ़ के तीन शहरों - रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर को इन खेलों की मेजबानी सौंपी गई थी।

ऐसे मौके पर जब भारत वर्ष 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक की संभावित मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर रहा है, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ने विविध जनजातीय पृष्ठभूमि के खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने और कई खेलों में भारत की बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में पहले से ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभाव छोड़ने वाले खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से चमक बिखेरी। वहीं कई खिलाड़ियों ने भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन की संभावना दिखाई। तैराकी में कनार्टक के 21 साल के तैराक मणिकांता एल. और ओडिशा की 15 वर्षीया अंजलि मुंडा, तीरंदाजी में विश्व यूथ चैंपियन बनने वाली झारखंड की कोमालिका बारी एवं गुजरात की 21 वर्षीया भागर्वी भगोरा ने अपने कामयाब प्रदर्शन से देशभर के लोगों का ध्यान खींचा।

वेटलिफ्टिंग में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले झारखंड के 19 साल के बाबूलाल हेम्ब्रम और ओडिशा की झिल्ली दलाबेहरा तथा झारखंड के धावक शिव कुमार सोरेन ने भी खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के दौरान अपनी प्रतिभा और क्षमता का लोहा मनवाया। छत्तीसगढ़ की 24 साल की उभरती अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर किरण पिस्दा और 4 रजत पदक जीतने वाली तैराक अनुष्का भगत पूरे आयोजन के दौरान सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहीं। छत्तीसगढ़वासियों के लिए इन दोनों ने न केवल भविष्य के लिए अच्छी उम्मीदें जगाईं, बल्कि अपने खुद के सपनों को भी दिए नए पंख दिए।

कबीरधाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई : बैगा जनजाति के 13 बच्चों को बंधुआ मजदूरी से कराया मुक्त

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

कबीरधाम जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैगा जनजाति के 13 नाबालिग बच्चों को बंधुआ मजदूरी और बाल तस्करी से मुक्त कराया है। मामले में पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की प्रक्रिया जारी है।

मामले का खुलासा तब हुआ जब पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह को सूचना मिली कि ग्राम थूहापानी और आसपास के क्षेत्रों से बैगा जनजाति के कई नाबालिग बच्चों को पैसों का लालच देकर ले जाया गया है और उनसे जबरन मजदूरी कराई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम गठित कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

कबीरधाम पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाते हुए ग्राम भलपहरी, खरहट्टा पाण्डातराई, सारंगपुर कला, कान्हाभैरा और दशरंगपुर क्षेत्रों में दबिश दी। इस दौरान कुल 13 नाबालिग बच्चों को सुरक्षित मुक्त कराया गया। सभी बच्चों को थाना कोतवाली लाकर जिला बाल संरक्षण इकाई और चाइल्ड लाइन टीम को सूचना दी गई। बाल कल्याण समिति के निर्देश पर बच्चों को सुरक्षित बालगृह में रखा गया है, जहां उनकी देखभाल और काउंसलिंग की जा रही है।

पुलिस जांच में सामने आया कि करीब 6 से 7 महीने पहले आरोपी रवि यादव और अन्य लोगों ने बच्चों के माता-पिता को पैसे का प्रलोभन देकर बच्चों को अलग-अलग स्थानों पर काम कराने के लिए ले जाया था। वहां बच्चों से मवेशी चराने, उनकी देखभाल करने और अन्य कठिन श्रम कराए जाते थे। बच्चों ने बताया कि उनसे सुबह 6 बजे से रात तक लगातार काम कराया जाता था, लेकिन मजदूरी नहीं दी जाती थी। उनके पालकों को केवल 1000 से 2000 रुपये प्रतिमाह दिए जाते थे।

पुलिस के अनुसार सभी बच्चे 8 से 15 वर्ष आयु वर्ग के हैं और विशेष संरक्षित अनुसूचित जनजाति बैगा जनजाति से संबंधित हैं। बच्चों से कराया जा रहा कार्य जोखिमपूर्ण श्रम की श्रेणी में आता है, जो बाल अधिकारों और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS), किशोर न्याय अधिनियम, बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, बंधुआ मजदूर प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम और एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम सहित कई गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों में रामू यादव, रवि यादव, धनीराम यादव, सर्वन यादव, दीपक यादव, रामफल यादव, राम बिहारी यादव और रुपेश यादव शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों से मजदूरी कराना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि अमानवीय कृत्य भी है। उन्होंने लोगों से बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी और बाल तस्करी जैसी गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

खास खबर

ग्राम मोहरेंगा की प्रीति ध्रुव को मिला राशन कार्ड, खाद्य सुरक्षा का मिला संबल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

बेमेतरा जिले में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण का कार्य प्रभावी रूप से किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत मोहरेंगा की निवासी प्रीति ध्रुव को समाधान शिविर में राशन कार्ड प्रदान किया गया।

प्रीति ध्रुव काफी समय से राशन कार्ड बनवाने के लिए प्रयास कर रही थीं, किन्तु विभिन्न कारणों से उनका आवेदन लंबित था। सुशासन तिहार के तहत आयोजित समाधान शिविर में उन्होंने अपनी समस्या दर्ज कराई, जिस पर प्रशासन द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्यवाही की गई और उन्हें मौके पर ही राशन कार्ड उपलब्ध कराया गया। राशन कार्ड प्राप्त होने से अब ध्रुव को शासन की खाद्य सुरक्षा योजनाओं का नियमित लाभ मिल सकेगा। इससे उनके परिवार को आवश्यक खाद्यान्न सुलभ हो पाएगा और आर्थिक रूप से भी उन्हें राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार 2026 शासन आपके द्वार की अवधारणा को साकार करते हुए आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। इस पहल से लोगों का शासन एवं प्रशासन के प्रति विश्वास निरंतर सुदृढ़ हो रहा है। प्रीति ध्रुव ने इस पहल के लिए शासन एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनके परिवार को खाद्यान्न की चिंता से राहत मिलेगी और वे योजनाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सकेंगी।

सुशील पाटिल को समाधान शिविर में मिला किसान किताब, खेती को मिला नया संबल

बेमेतरा। बेमेतरा जिले में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण का प्रभावी मंच बनते जा रहे हैं। इसी कड़ी में ग्राम मोहरेंगा के निवासी सुशील पाटिल को समाधान शिविर में किसान किताब (खसरा/भूमि अभिलेख दस्तावेज) प्रदान किया गया, जिससे उनकी लंबे समय से लंबित समस्या का समाधान हुआ।

सुशील पाटिल को अपने कृषि कार्यों के लिए किसान किताब की आवश्यकता थी, किन्तु प्रक्रियात्मक कारणों से उन्हें यह दस्तावेज प्राप्त नहीं हो पा रहा था। सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविर में उन्होंने अपनी समस्या दर्ज कराई, जिस पर प्रशासन द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए मौके पर ही उन्हें किसान किताब उपलब्ध कराई गई। किसान किताब प्राप्त होने से अब पाटिल को कृषि संबंधी विभिन्न शासकीय योजनाओं, ऋण सुविधा एवं अन्य लाभ लेने में आसानी होगी। यह दस्तावेज उनके लिए खेती-किसानी के कार्यों में एक महत्वपूर्ण आधार सिद्ध होगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को भी मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार 2026 शासन आपके द्वार की अवधारणा को साकार करते हुए आमजन, विशेषकर किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बन रहा है। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो रहा है। सुशील पाटिल ने इस त्वरित समाधान के लिए शासन एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें अपने कृषि कार्यों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी और वे योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

कोटपा एक्ट 2003 के तहत 51 चालानी कार्यवाही, दुकानदारों को दिए गए सख्त निर्देश

बेमेतरा। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे 15 दिवसीय विशेष अभियान सही दवा, शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार का बेमेतरा जिले में विधिवत संचालन किया जा रहा है। यह अभियान 27 अप्रैल 2026 से 11 मई 2026 तक जारी रहेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ एवं औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। शासन के निर्देशानुसार एवं जिला कलेक्टर द्वारा गठित टीम के नेतृत्व में अभियान के तृतीय चरण के तहत 06 मई 2026 को बेमेतरा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में औषधि विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) 2003 के तहत कुल 51 चालानी कार्यवाही की गई। जांच के दौरान उन्होंने दुकानदारों को निर्देश दिए की, तम्बाकू उत्पादों का उचित एवं नियमों के अनुरूप भंडारण करें, दुकान में धूम्रपान निषेध संबंधी बोर्ड अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें, नाबालिगों को तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रखें।

सुशासन तिहार : शासन की किसान हितैषी योजना का दिख रहा असर, जिले में सब्जी की खेती के लिए बढ़ा रूझान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में सब्जी की खेती के लिए रूझान बढ़ा है और शासन की किसान हितैषी योजना का असर दिखाई दे रहा है। इसकी एक बानगी सुशासन तिहार अंतर्गत डोंगरगढ़ विकासखंड के दूरस्थ वनांचल ग्राम बुढ़ानछापर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में दिखाई दी। यह शिविर कृषक प्रेमलाल कंवर के लिए सुखद एवं फायदेमंद रहा। सब्जी की खेती के लिए निःशुल्क बीज पाकर उन्होंने खुशी जाहिर की।

उन्होंने बताया कि तकनीकी जानकारी के साथ राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत मल्चिंग पद्धति के माध्यम से सब्जी की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने बताया कि वे सब्जी भिंडी, टमाटर, बरबट्टी, लौकी सहित अन्य सब्जियों की खेती कर रहे हैं तथा स्थानीय हाट बाजार में बिक्री करते है। उन्होंने बताया कि स्थानीय स्तर पर मार्केट मिलने से सब्जियों की बिक्री यहां आसानी से हो रही है। खेती-किसानी से जो आय हुई उससे दो पहिया वाहन खरीदा तथा अब सब्जी लाने-ले जाने के लिए चार पहिया वाहन पिकअप खरीद लिए हैं।

कृषक प्रेमलाल कंवर ने राज्य पोषित योजना अंतर्गत आम के पौधों का रोपण किया गया था, जिससे आमदनी में वृद्धि हुई। पहले वे धान की खेती करते थे, लेकिन उद्यानिकी विभाग द्वारा प्रोत्साहन मिलने पर सब्जी की खेती करना प्रारंभ किया। उन्होंने निःशुल्क आम के कलमी पौधों का रोपण भी किया है। पौधों के बीच के खाली जगह में सब्जी की खेती करने हेतु तकनीकी जानकारी उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि सुशासन तिहार में दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचकर जनमानस की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। शासन की योजनाओं का लाभ मिलने पर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया।

किसानों के लिए सरकार मददगार : रूपेश कुमार यादव

सुशासन तिहार अंतर्गत डोंगरगढ़ विकासखंड के दूरस्थ वनांचल ग्राम बुढ़ानछापर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में पहुंचे ने मत्स्य कृषक रूपेश कुमार यादव ने निःशुल्क मछली जाल मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद तथा जंगल में निवास करने वाले किसानों के लिए सरकार मददगार है और किसानों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से हमें यह मछली जाल निःशुल्क मिला है। निजी दुकान में जाकर लेने से 5 से 7 हजार रूपए खर्च होता। उन्होंने बताया कि ग्राम खुटीटोला में मत्स्य पालन का कार्य कर रहे है तथा उन्हें इससे अच्छी आमदनी हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सुशासन तिहार अंतर्गत गांव-गांव में जनसमस्या निवारण शिविर लगाकर समस्याओं का समाधान कर रहे है और जनमानस को शासन की योजना का लाभ लेने के लिए जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को तहेदिल से धन्यवाद दिया। वहीं ग्राम पिटेपानी के मत्स्य कृषक धरम सिंह उईके ने बताया कि निःशुल्क मछली जाल मिलने पर बचत हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की मदद कर रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी है। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया।

पैकहाउस अनुदान से किसान कीर्तन उईके को मिला संबल

जनसमस्या निवारण शिविर ग्रामीणों के लिए शासन की योजनाओं से सीधे जुड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। इसी कड़ी में डोंगरगढ़ विकासखंड के दूरस्थ वनांचल ग्राम बुढ़ानछापर में आयोजित शिविर किसान कीर्तन उईके के लिए खुशियों भरा अवसर साबित हुआ। ग्राम पीटेपानी निवासी किसान कीर्तन उईके ने बताया कि वे उद्यानिकी फसलों विशेषकर सब्जी-भाजी की खेती करते हैं। उनके पास लगभग 23 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें से वे लगभग 6 एड़क में विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन करते हैं। उत्पादन के बाद उचित भंडारण व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें कई बार नुकसान उठाना पड़ता था।

किसान कीर्तन ने बताया कि वे सुशासन तिहार शिविर में पहुंचकर उद्यानिकी विभाग की राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एनएचएम) योजना की जानकारी प्राप्त की और आवेदन किया। इसके तहत उन्हें पैकहाउस निर्माण के लिए डीबीटी के माध्यम से 2 लाख रूपए का अनुदान स्वीकृत हुआ, जो उनके लिए बड़ी राहत साबित हुआ। श्री उईके ने बताया कि पैकहाउस बनने से अब वे अपनी सब्जियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से भंडारित कर सकेंगे। इससे फसल की गुणवत्ता बनी रहेगी और उन्हें बेहतर बाजार मूल्य भी प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि पहले फसल को तुरंत बेचने की मजबूरी रहती थी, लेकिन अब वे सही समय पर विक्रय कर सकेंगे, जिससे उनकी आय में निश्चित रूप से वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि उद्यानिकी विभाग द्वारा उन्हें उन्नत किस्म के बीज भी उपलब्ध कराए गए, जिससे उत्पादन में और सुधार होगा। विभागीय अधिकारियों द्वारा पैकहाउस के उपयोग, ग्रेडिंग, पैकिंग एवं विपणन की भी जानकारी दी गई, जिससे उन्हें आधुनिक खेती के प्रति नई समझ मिली।

किसान कीर्तन उईके ने शासन की इस जनहितकारी पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार जैसे आयोजन वास्तव में किसानों के लिए लाभकारी हैं, जहां योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ मौके पर ही समाधान और लाभ मिल रहा है। उन्होंने अन्य किसानों से भी इन योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से प्रवीण का घर हो रहा रोशन

जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। राजनांदगांव शहर के बजरंगपुर नवागांव, वार्ड क्रमांक 1 निवासी प्रवीण कुमार मिश्रा इस योजना का लाभ लेकर न केवल अपने घर का बिजली खर्च शून्य करने में सफल हुए हैं, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा बनकर उभरे हैं। श्री मिश्रा ने बताया कि उनके परिवार में तीन सदस्य हैं। पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 900 से 1000 रूपए तक आता था, जो गर्मी के मौसम में और अधिक हो जाता था। उन्होंने 17 जनवरी 2026 को अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया। इसके बाद से पिछले तीन महीनों से उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत उन्हें केंद्र एवं राज्य शासन से कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई, जबकि शेष 81 हजार रूपए उन्होंने स्वयं निवेश किए। इसके लिए उन्होंने बैंक से ऋण लिया है, जिसे वे आगामी 3 वर्षों में चुका देंगे।

अस्पतालों में आग से अब नहीं जाएगी जान, सरकार की नई गाइडलाइन लागू

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

देशभर में अस्पतालों में लगने वाली आग की घटनाओं ने कई बार बड़े हादसों को जन्म दिया है। इन हादसों में सबसे ज्यादा नुकसान उन मरीजों को होता है, जो खुद चल-फिर नहीं सकते। इसी गंभीर खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने नेशनल गाइडलाइंस ऑन फायर एंड लाइफ सेफ्टी इन हेल्थकेयर फैसिलिटीज 2026 जारी की हैं, जो अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने वाली हैं। सरकार का साफ कहना है कि फायर सेफ्टी अब सिर्फ नियम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। किसी भी तरह की लापरवाही सीधे जान के नुकसान में बदल सकती है।

गाइडलाइन में बताया गया है कि अस्पतालों में आग लगने का खतरा ज्यादा होता है क्योंकि यहां बड़ी संख्या में मरीज होते हैं, जिनकी मूवमेंट सीमित होती है। ऑक्सीजन और अन्य मेडिकल गैस का इस्तेमाल होता है। साथ ही जटिल इलेक्ट्रिकल सिस्टम और उपकरण होते हैं। सबसे चैंकाने वाली बात ये है कि भारत में ज्यादातर अस्पतालों में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट और खराब इलेक्ट्रिकल सिस्टम होते हैं।

अब हर अस्पताल को करना होगा ये काम : नई गाइडलाइंस के मुताबिक हर अस्पताल में फायर सेफ्टी कमेटी बनाना अनिवार्य होगा। एक ट्रेंड फायर सेफ्टी ऑफिसर नियुक्त करना जरूरी होगा। हर साल फायर सेफ्टी ऑडिट कराना होगा, स्टाफ के लिए रेगुलर ट्रेनिंग और मॉक ड्रिल अनिवार्य होगा। यह कदम इसलिए जरूरी है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और सही प्रतिक्रिया दी जा सके।

मरीजों को कैसे बचाया जाएगा : अस्पतालों के लिए सबसे बड़ी चुनौती मरीजों को सुरक्षित निकालना होती है। गाइडलाइन के अनुसार पहले मरीजों को उसी फ्लोर पर सुरक्षित जगह में शिफ्ट किया जाएगा। केवल जरूरत पड़ने पर ही उन्हें नीचे या ऊपर ले जाया जाएगा। ऑपरेशन थिएटर के मरीजों को बिना स्टेबल किए नहीं हटाया जाएगा। यानी अब अफरा-तफरी नहीं, बल्कि प्लानिंग के साथ रेस्क्यू होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीके तूरे ने बताया है कि नई गाइडलाइंस का मुख्य उद्देश्य मरीजों और स्टाफ की जान बचाना है। अस्पतालों में सुरक्षा की संस्कृति विकसित करना और हादसों को पहले ही रोकना है। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि सही तैयारी और सिस्टम के जरिए फायर हादसे रोके जा सकते हैं, सिर्फ कंट्रोल नहीं।

अधिकारी जनता की समस्याओं का निराकरण करने संवेदनशीलता का परिचय देवें : विधायक ईश्वर साहू

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

बेमेतरा जिले के साजा अनुभाग अंतर्गत ग्राम पंचायत दर्री (हाई स्कूल दर्री) में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। साजा विधानसभा क्षेत्र के विधायक ईश्वर साहू स्वयं शिविर में उपस्थित रहे और नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ सुना। इस दौरान कुल 1365 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 1333 मांग एवं 32 शिकायतें शामिल रहीं। मौके पर ही 113 आवेदनों का निराकरण किया गया, जबकि 1252 आवेदनों को शीघ्र निराकरण हेतु लंबित रखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

शिविर में कलस्टर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से पहुंचे नागरिकों ने पेयजल, विद्युत आपूर्ति, जर्जर सड़कों की मरम्मत, प्रधानमंत्री आवास योजना में तकनीकी समस्याएं, तथा राजस्व विभाग से जुड़े सीमांकन और नामांतरण जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विधायक साहू ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करें तथा जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं है, उनमें समय-सीमा तय कर हितग्राहियों को अवगत कराएं।

विधायक ईश्वर साहू ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शासकीय सेवाओं का मूल उद्देश्य जनता की सेवा है। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी-कमर्चारी आम नागरिकों की

समस्याओं को सहानुभूति पूर्वक सुनें और त्वरित कारर्वाई करें। उन्होंने यह भी कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि अंत्योदय का लक्ष्य साकार हो सके। शिविर के दौरान कई मामलों में विधायक ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को मंच पर बुलाकर तत्काल वस्तुस्थिति की जानकारी ली और समय-सीमा के भीतर समस्याओं के समाधान के कड़े निर्देश दिए। इस पहल से नागरिकों में विश्वास और संतोष का माहौल देखा गया।

कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया। टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 05 हितग्राहियों को निक्षय मित्र पोषण आहार किट वितरित की गई। इसके अलावा 05 हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड, 05 को जाति प्रमाण पत्र, 05 को प्रधानमंत्री आवास पूणर्ता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही तीन बालिकाओं को नोनी सुरक्षा योजना के अंतर्गत पंजीयन प्रपत्र तथा दो किसानों को कृषि स्प्रेयर यंत्र वितरित किए गए। दूर-दराज से आए ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन का इस प्रकार सीधे संवाद करना अत्यंत सराहनीय है। नागरिकों ने बताया कि विधायक की कार्यशैली में पारदर्शिता, सुलभता और संवेदनशीलता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

शिविर के समापन पर विधायक साहू ने आश्वस्त किया कि प्राप्त सभी आवेदनों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी की जाएगी, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। इस अवसर पर साजा जनपद पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र साहू, जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पदमाकर, एसडीएम साजा पिंकी मनहर, जिला पंचायत सदस्य देवी परमेश्वर वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार - आसरा में लगा जनसमस्या निवारण शिविर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत 6 मई 2026 को डोंगरगांव जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत आसरा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसरा, कोकपुर, वि.नवागांव, सांगिनकछार, तेन्दूनाला, बम्हनीभांठा, खम्हेरा, तिलईरवार, टप्पा, जन्तर, चिचदो, माथलडबरी, मोहड़, मनेरी, बरगांव, मारगांव, गिरगांव, कोहका मो., गु.नवागांव कुल 19 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

शिविर में मांग एवं शिकायत से संबंधित कुल 568 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम एवं द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 13 विद्यार्थी एवं 3 लखपति दीदीयों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सामाजिक सहायता पेंशन योजना अन्तर्गत 15 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति पत्र,

15 हितग्राहियों को राशन कार्ड, बैंक लिंकेज अन्तर्गत कृषि कार्य हेतु 1 महिला स्वसहायता समूह को 6 लाख रूपए का चेक, 1 महिला स्वसहायता समूह को 3 लाख रूपए का चेक, कृषि विभाग अन्तर्गत 5 कृषकों को मूंग बीज मिनी कीट का वितरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 7 गर्भवती माताओं की गोद भराई संस्कार की गई। 3 बच्चों को सुपोषण किट एवं 7 बालिकाओं को सेनेटरी पेड का वितरण किया गया। श्रम विभाग द्वारा 1 श्रमिक कार्ड का वितरण किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई एवं पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

शिविर में उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगांव श्रीमती रंजीता पडौती, उपाध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव भरत वर्मा, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगांव मनीष कुमार साहू, सदस्य जिला पंचायत राजनांदगांव श्रीमती जागृति चुन्नी यदु, सभापति जनपद पंचायत डोंगरगांव विवेक मंडावी, पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत दिनेश गांधी, पूर्व उपाध्यक्ष नगर पंचायत गुलशन हिरवानी, सदस्य जनपद पंचायत डोंगरगांव श्रीमती अनिता पंचारी, श्रीमती हरिला सिरसाठ एवं श्रीमती कांति चन्द्रवंशी, पार्षद नगर पंचायत डोंगरगांव प्रफुल्ल जैन, दीना पटेल, जागेश्वर यादव, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगांव श्रीकांत कोराम, तहसीलदार डोंगरगांव, कमल किशोर साहू, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत डोंगरगांव श्रीमती रोशनी भगत टोप्पो, वरिष्ठ आंतरिक लेखा परीक्षण अधिकारी जनपद पंचायत डोंगरगांव ओपी जैन सहित ग्राम पंचायतों सरपंच एवं पंचायत प्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

वित्तीय समावेशन गतिविधियों से संबंधित विषय पर हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत स्व-सहायता समूहों के बैंक लिंकेज के एनपीए में हो रहे वृद्धि के निराकरण एवं अन्य वित्तीय समावेशन गतिविधियों से संबंधित विषय पर जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह, राज्य कार्यालय से राज्य कार्यक्रम प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह एवं सहायक राज्य कार्यक्रम प्रबंधक संतोष कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

बैठक में बैंक लिंकेज की अवधारणा एवं प्रक्रिया, एनपीए खातों के निराकरण, सीबीआरएम समिति के माध्यम से ऋण वापसी तंत्र को सक्रिय करने, इंटरप्राईज फाइनेंस एवं बीमा योजनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला राजनांदगांव अंतर्गत अग्रणी बैंक प्रबंधक, विकासखण्डों में एनआरएलएम के तहत कार्यरत बीपीएम, क्षेत्रीय समन्वयक, पीआरपी, एफएलसीआरपी, बैंक मित्र तथा जिला स्तरीय अधिकारियों सहित कुल 90 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

बैठक के पश्चात राज्य कार्यालय के अधिकारियों द्वारा जिले के विभिन्न बैंक शाखाओं का भ्रमण भी किया गया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों द्वारा बैंकों में एनआरएलएम के कार्यो के संबंध में बैंक शाखा प्रबंधकों व स्टाफ से चर्चा की गई। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्व-सहायता समूहों के ऋण प्रकरणों पर समुचित कार्रवाई करते हुए एनआरएलएम के क्रियान्वयन में समन्वयपूर्ण सहयोग करने निर्देशित किया।

हार से दुखी ऋषभ पंत ने बोली बड़ी बात

मेरे पास कोई जवाब नहीं...

मुंबई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है. सोमवार 4 मई को खेले गए मैच में उन्हें मुंबई इंडियंस से भी हार का सामना करना पड़ा. जब लखनऊ के तेज गेंदबाज वानखेड़े की पिच पर 228 रन भी नहीं बचा पाए. ये इस सीजन एलएसजी को लगातार छठी हार है और वो चार अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे बने हुए हैं। मैच के बाद कप्तान ऋषभ पंत के पास इस बात का कोई जवाब नहीं था कि उनकी टीम ने शानदार शुरुआत (छह ओवर में 90/1) करने के बावजूद अपनी लय कैसे खो दी. पंत ने माना कि जिस तरह से उन्होंने शुरुआत की थी, उसे देखते हुए वे लगभग 10-15 रन पीछे रह गए।

- हम 10-15 रन पीछे रह गए - पंत ने कहा, जिस तरह से हमने शुरुआत की थी, हमें निश्चित रूप से और रन बनाने चाहिए थे. उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की, वे इन परिस्थितियों के आदी थे. निश्चित रूप से, हम 10-15 रन पीछे रह गए पंत ने ये भी कहा, इस विकेट पर 228 रन का बचाव न कर पाने के लिए अपने गेंदबाजों को दोष नहीं देंगे ।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने क्या कहा?

- वहीं दूसरी ओर हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने इस जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया. सूर्य ने कहा कि छह ओवर में 90/1 के स्कोर पर होने के बावजूद टीम में कोई घबराहट नहीं फैली, क्योंकि इस सीजन में पहले खेले गए मैचों में भी वे ऐसी ही परिस्थितियों का सामना कर चुके थे. उन्होंने मैच को वापस टीम के पक्ष में मोड़ने का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया।
- उन्होंने कहा कि मैच का रुख पलटने के लिए उन्हें गेंदबाजों को ज्यादा कुछ समझाने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि सभी गेंदबाजों के पास अपनी-अपनी योजनाएं पहले से ही तैयार थीं. सभी को यह विश्वास था, और प्लान भी साफ थे. बस थोड़ा-सा आक्रामक खेलना था. हालांकि हमने कुछ दिन पहले 244 रन बनाए थे, लेकिन एसआरएच ने उसे चेज कर लिया था।
- उन्होंने रोहित और रिकेल्टन की दी गई अच्छी शुरुआत का श्रेय भी दिया. सूर्य ने कहा, जब 220-225 रन चेज करने हों, तो अच्छी शुरुआत मिलना जरूरी होता है. वे हमेशा कंट्रोल में थे. आखिर में, जिस तरह नमन धीर और बाकी सभी ने बैटिंग की, वह बहुत बढ़िया था।

पूर्व तेज गेंदबाज अशोक डिंडा का पश्चिम बंगाल चुनाव में दिखा जलवा

16 हजार वोटों के अंतर से दर्ज की बड़ी जीत

कोलकाता (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने एक बार फिर राजनीति में अपना जलवा दिखाया है।2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ते हुए, डिंडा ने मोयना विधानसभा सीट से शानदार जीत हासिल की. ??उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी, तृणमूल कांग्रेस के चंदन मंडल को हराया।

16 हजार वोटें से जीत

अशोक डिंडा ने कुल 1,27,166 वोट हासिल किए और उन्होंने 16,241 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की. दूसरी ओर, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार इस मुकाबले में पिछड़ गए और वापसी नहीं कर पाए. वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के उम्मीदवार स्वपन कुमार बर्मन तीसरे स्थान पर रहे।

लगातार दूसरी बार बने विधायक

42 वर्षीय अशोक डिंडा की मोयना विधानसभा सीट से यह लगातार दूसरी जीत है. 2021 के बंगाल विधानसभा चुनावों में, अशोक डिंडा ने तृणमूल कांग्रेस के संग्राम दोलुई को 1260 वोटों से हराया था. मुकाबला कड़ा था, लेकिन अंत में क्रिकेटर ही विजयी रहे।

अशोक डिंडा का क्रिकेट करियर

अशोक डिंडा ने भारत के लिए 13 वनडे और 9 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं. वनडे में उन्होंने 51.00 की औसत से 12 विकेट लिए हैं. जबकि टी20 इंटरनेशनल में, उन्होंने 14.41 की औसत से 17 विकेट लिए हैं. इसके अलावा, उन्होंने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 116 मैचों में 420 विकेट लिए हैं। वहीं आईपीएल में अशोक डिंडा ने कुल 78 मैच खेले हैं, जिसमें 30.04 की औसत से 69 विकेट लिए. डिंडा ने आईपीएल में केकेआर, डीसी, पीडब्ल्यूआई, आरसीबी और आरपीएस का प्रतिनिधित्व किया. क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, अशोक डिंडा फरवरी 2021 में भाजपा में शामिल हो गए, जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026

पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही. 293 सीटों में से बीजेपी ने 206 सीटों पर जीत हासिल की जबकि टीएमसी को केवल 81 सीट ही मिली और दो सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार ने बाजी मारी. बता दें कि यहां बहुमत के लिए जादुई आंकड़ा 148 था।

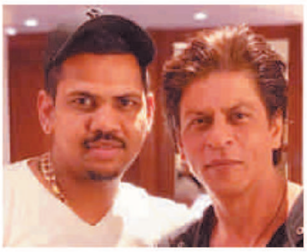

शाहरुख खान हुए भावुक 'तुम सच में एक जादूगर हो'

सुनील नरेन के लिए लिखा दिल छू लेने वाला पोस्ट

नई दिल्ली। शाहरुख खान फिर अपने अंदाज से प्रशंसकों का दिल जीतते नजर आए। शाहरुख खान ने कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार ऑलराउंडर सुनील नरेन के लिए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की, जिसमें 15 साल के साथ, 200 से ज्यादा विकेट और कई यादगार पलों को याद किया। शाहरुख खान ने सुनील नरेन को 'जादूगर' बताते हुए उनके खेल ही नहीं, बल्कि टीम के साथ उनके रिश्ते की भी जमकर तारीफ की। इस पोस्ट में झलकता अपनापन यह दिखाता है कि कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए सुनील नरेन सिर्फ एक खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा भी हैं।

सुनील मेरे दोस्त... हम तुम्हे अपने परिवार जितना ही प्यार करते

शाहरुख खान ने अपनी पोस्ट में लिखा, ''सुनील, मेरे दोस्त... 15 सीजन साथ खेलने के लिए धन्यवाद। 200 से ज्यादा विकेट, तीन आईपीएल खिताब और कोलकाता नाइट राइडर्स के दुनिया भर में कई यादगार पल...!!! तुम सच में एक जादूगर हो और हम तुम्हें अपने परिवार जितना ही प्यार करते हैं। आज तुम्हें दिल से एक बड़ी वाली झप्पी... और यह अपनापन हमेशा बना रहे।

• रोहित की वापसी होते ही ...

मुंबई की किस्मत पलटी

44 गेंद पर 84 रन बनाए, शर्मा जी के छक्कों से रोमांचित दिखे दर्शक

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 47वें मैच में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। लखनऊ जायंट्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए। निकोलस पूरन ने बेहतर अर्धशतक जड़ा। 300 के स्ट्राइक रेस से रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने 18.4 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन बना लिए। चोट से

• लखनऊ सुपर जायंट्स की लगातार छठी हार

उबरने के बाद पांच मैच बाद वापसी करते हुए रोहित शर्मा ने शानदार पारी खेली और मुंबई इंडियंस को 14 दिन बाद जीत मिली। रयान रिकेल्टन ने भी बेहतरीन पारी खेली। इससे पहले 20 अप्रैल को गुजरात टाइटंस को हराया था। इसके बाद 3 मैच हारी थी। लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार छठी हार मिली। वह 9 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स से जीती थी। मुंबई इंडियंस ने इस जीत के साथ प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार रखीं। उसके छह अंक हो गए हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए निकोलस पूरन ने 21 गेंद पर 63 रन बनाए। मिचेल मार्श ने 25 गेंद पर 44 रन बनाए। हिम्मत सिंह ने 31 गेंद पर नाबाद 40 और एडेन मार्करम ने 25 गेंद पर 31 रन बनाकर नाबाद रहे। ऋषभ पंत ने 15, जोश इंग्लिस ने 13 और अक्षत रघुवंशी ने 11 रन बनाए। मुंबई इंडियंस के लिए कॉर्बिन बॉश ने 2 विकेट लिए। एएम गजनफर, विल जैक्स और रघु शर्मा ने 1-1 विकेट लिए। मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा ने 44 गेंद पर 84 रन बनाए। रयान रिकल्टन ने 32 गेंद पर 83 रन बनाए। नमन धीर ने 12 गेंद नाबाद 23 और विल जैक्स ने 4 गेंद पर नाबाद 10 रन बनाए। तिलक वर्मा 11 और सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुए। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए मणिमारन सिद्धार्थ ने 2 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और मोहसिन खान ने 1-1 विकेट लिए।

एमएस धोनी की जानकारी देने की मेरी हैसियत नहीं

CSK के कोच ने बताई अपनी 'मजबूरी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने सोमवार (4 मई) को कहा कि महेंद्र सिंह धोनी टीम के साथ दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के लिए दिल्ली नहीं आए हैं। धोनी को लेकर जानकारी देने की हैसियत उनकी नहीं है। उन्होंने कहा कि धोनी ही जानते हैं कि वह कब खेलेंगे। हालांकि, वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। आईपीएल 2026 का आधे से ज्यादा सीजन हो चुका है और चेन्नई सुपर किंग्स 10वां मैच खेलने

वाली है, लेकिन अब तक धोनी नहीं खेले हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से एक दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एरिक सिमंस से पहला ही सवाल धोनी के खेलने को लेकर हुआ। उन्होंने कहा, 'महेंद्र सिंह धोनी को लेकर जानकारी देने की मेरी हैसियत नहीं है। वह हमारे साथ (दिल्ली में) नहीं है, लेकिन लगातार बेहतर हो रहे हैं। वह जब तैयार होंगे तब होंगे। वही जानते हैं कि वह खेलने के लिए कब तैयार होंगे।'

अंशुल कम्बोज की तारीफ की

गेंदबाजों के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए सिमंस ने अंशुल कम्बोज की खूब तारीफ की, जिन्होंने मैच के हर फेज में प्रभाव डाला है और 17 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा, 'अंशुल काफी आगे बढ़ गए हैं। अंशुल ने इस सीजन में नहीं पिछले साल ही बेहतर करना शुरू किया था। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अलग-अलग एंगल पर काम किया और यॉर्कर को सटीक बनाया। हमने राउंड द विकेट शुरू किया है, जो अब कोई रहस्य नहीं है।

एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगी भारत की पुरुष और महिला अंडर-18 हॉकी टीमें

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर- 18 पुरुष और महिला हॉकी टीमें एशिया कप की तैयारियों को मजबूत करने के लिए 15 से 20 मई के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की सीरीज खेलेंगी। यह मुकाबले भोपाल में आयोजित होंगे, जहां दोनों टीमों ने हाल ही में भारतीय खेल प्राधिकरण के केंद्र में अभ्यास शिविर भी लगाया था। यह सीरीज खिलाड़ियों के लिए अपनी रणनीति और संयोजन को अंतिम रूप देने का बेहतरीन मौका मानी जा रही है।

एशिया कप से पहले बड़ी परीक्षा

यह सीरीज खास तौर पर इसलिए अहम है क्योंकि इस महीने के अंत में जापान के काकामिगाहारा में अंडर- 18 एशिया कप शुरू होने जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा, जो टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन के लिए बेहद जरूरी साबित हो सकता है।

क्या बुमराह ब्रेक लेना चाहते हैं?

संजय बांगड़ और वेदा कृष्णमूर्ति का मुंबई इंडियंस को सुझाव

मुंबई (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2026 में लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं और ज्यादातर बातें इस बारे में रही हैं कि वह विकेट नहीं ले पा रहे, उनकी रफ्तार कम दिख रही है और मुंबई इंडियंस उन्हें सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर रही है। जबकि मुंबई कैंप के लोग यह कहते नजर आ रहे हैं कि बुमराह चुनौती के लिए तैयार हैं और जब विकेट लेने का समय आएगा, वह विकेट ले लेंगे।

सोमवार रात वानखेड़े में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ भी उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। यह इस सीजन का सातवां ऐसा मैच था, जब उन्हें कोई विकेट नहीं मिला और उन्होंने इस दौरान इस मैच में 45 रन दिए। टाइमआउट शो में संजय बांगड़ और वेदा कृष्णमूर्ति ने सुझाव दिया है कि मुंबई टीम प्रबंधन को बुमराह से बात करनी चाहिए और उनसे पूछना चाहिए कि क्या वह ब्रेक लेना चाहते हैं?

वेदा ने कहा, टीम प्रबंधन, कोच, कप्तान, उपकप्तान सूर्या (कुमार यादव) या फिर रोहित (शर्मा), ईमानदारी से बैठकर उनसे बात कर सकते हैं। उनसे पूछ सकते हैं 'क्या आप अंदर से 100 प्रतिशत फिट महसूस कर रहे हैं, 'क्या आप एक-दो मैच का ब्रेक लेना चाहते हैं। ताकि वह तरोताा होकर लौटें। उनसे यह पूछा जा सकता है और उम्मीद की जा सकती है कि वह ईमानदारी से जवाब देंगे। और अगर वह

कहते हैं 'नहीं, मैं खेलने के लिए तैयार हूं, तो शायद हम उनका बेहतर वर्जन देखेंगे, क्योंकि वह और ज्यादा मेहनत करेंगे। एक ईमानदार बातचीत जरूरी है, ताकि यह साफ हो सके कि उन्हें ब्रेक चाहिए या वह खेल सकते हैं।

इस सीजन बुमराह के साधारण प्रदर्शन के साथ मुंबई का खराब प्रदर्शन भी जुड़ा हुआ है। टीम 10 मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। बांगड़ का मानना है कि मुंबई को बुमराह के बिना खेलने के लिए भी तैयार रहना चाहिए, भले ही इसका मतलब सीजन खराब जाना हो। बांगड़ ने कहा, यह इस पर भी निर्भर करता है कि कोच और टीम प्रबंधन क्या सोच रहे हैं। अगर मुंबई बुमराह के बिना खेलने के लिए तैयार है, अगर मुंबई नीचे के स्थान पर सीजन खत्म करने के लिए तैयार है, तो शायद बुमराह बाकी मैच न खेलने का फैसला ले सकते हैं।

सोमवार को बुमराह ने एलएसजी की पारी का दूसरा ओवर डाला और 10 रन दिए। लेकिन चौथा ओवर काफी घटनाओं से भरा रहा। ज्यादातर गेंदें शॉर्ट पिच थीं। तीसरी गेंद वाइड, जिस पर दो रन बने। अगली गेंद मिचेल मार्श ने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का मारा। फिर नो-बॉल, जिस पर चौका लगा। फ्री-हिट पर भी चौका। कुल आठ गेंदों में 21 रन। इसके बाद वह हटाए गए और 14वें ओवर में वापस आए।

गन्ने के साथ शुगरबीट की खेती से बढ़ेगी किसानों की आय, सीबीडीए ने किया सम्मेलन का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-रायपुर

छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण ने राष्ट्रीय शकर्रा संस्थान कानपुर के सहयोग से गोढ़ी स्थित बायोफ्यूल कॉम्प्लेक्स में किसान सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में गन्ना आधारित खेती में सफेद चुकंदर यानी शुगरबीट को अंतरफसली के रूप में अपनाने पर जोर दिया गया। इससे भूमि उपयोग दक्षता बढ़ेगी और किसानों की आय में इजाफा होगा।

3.7 किलो का निकला शुगरबीट

सम्मेलन में किसानों को शुगरबीट की खेती का प्रत्यक्ष भ्रमण कराया गया। फसल की खुदाई भी की गई, जिसमें शुगरबीट का औसत वजन करीब 3.7 किलोग्राम मिला। यह सफल खेती की संभावना को दर्शाता है। राज्य में पहली बार गन्ना और शुगरबीट की अंतरफसली खेती पर ग्राम गोढ़ी में अनुसंधान शुरू किया गया है।

5-6 महीने में तैयार होती है फसल

राष्ट्रीय शकर्रा संस्थान कानपुर की निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने कहा कि गन्ना-शुगरबीट अंतरफसली खेती आय बढ़ाने का व्यवहारिक विकल्प है। राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में इसका सफल परीक्षण हो चुका है। छत्तीसगढ़ में सीबीडीए के सहयोग से पहला क्रियान्वयन हुआ है, जिसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं।

बायोएथेनॉल के लिए मिलेगा कच्चा माल

सीबीडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमित सरकार ने बताया कि शुगरबीट 5 से 6 महीने में तैयार हो जाती है। इसे गन्ने के साथ उगाकर अतिरिक्त उत्पादन लिया जा सकता है। इससे बायोएथेनॉल उत्पादन के लिए अतिरिक्त कच्चा माल मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। सहायक परियोजना अधिकारी संतोष कुमार मैत्री ने बताया कि मुरुम भूमि में भी इसकी सफलता ने नई संभावनाएं खोली हैं।

नेपियर घास से बायोगैस की संभावना

सहायक प्राध्यापक डॉ. लोकेश बाबर ने कहा कि शुगरबीट कम लागत में अधिक लाभ देने वाली तकनीक है। डॉ. सीमा परोहा ने प्राधिकरण परिसर में हर्बेरियम और आबीरेटम का भ्रमण किया। उन्होंने ऊर्जा फसल नेपियर घास के क्षेत्र का भी अवलोकन किया, जिससे कंप्रेस्ड बायोगैस उत्पादन की संभावनाएं हैं।

खास खबर

डोंगरगढ़ में फार्म हाउस पर छापा, हुक्का पीते मिले 6 युवक, पुलिस ने की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

डोंगरगढ़ पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान के तहत रात्रि में एक फार्म हाउस पर दबिश देकर हुक्का पीते 6 युवकों को पकड़ा है। सभी के विरुद्ध कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी केसरी नंदन नायक के पयर्वेक्षण में थाना डोंगरगढ़ पुलिस लगातार असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई कर रही है। रात्रि अड्डेबाजी चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने फार्म हाउस में दबिश दी। वहां 6 युवक संदिग्ध अवस्था में हुक्का का सेवन करते मिले।

पकड़े गए युवकों में विशाल यादव, पिता जग्गू यादव, उम्र 25 वर्ष, निवासी कोटा पारा, बाबू विश्वकर्मा, पिता संजय विश्वकर्मा, उम्र 18 वर्ष, निवासी डोंगरगढ़ , भूपेंद्र नायक, पिता विनोद नायक, उम्र 23 वर्ष, निवासी महावीर पारा डोंगरगढ़ , रोहन यादव, पिता सुखलाल यादव, उम्र 19 वर्ष, निवासी डोंगरगढ़, दक्ष ठाकुर, पिता दीपक ठाकुर, उम्र 20 वर्ष, निवासी कुम्हार पारा डोंगरगढ़ और तारन निषाद, पिता हीरालाल निषाद, उम्र 18 वर्ष, निवासी खुटा पारा डोंगरगढ़ शामिल हैं।

पुलिस ने मौके पर सभी के विरुद्ध कोटपा एक्ट के तहत वैधानिक एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। डोंगरगढ़ पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

शांति भंग करने पर युवक गिरफ्तार, लालबाग पुलिस ने की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

राजनांदगांव। थाना लालबाग पुलिस ने शांति भंग करने वाले एक युवक के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पयर्वेक्षण में क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आरोपी सागर संतवानी, पिता स्वर्गीय लक्ष्मण दास संतवानी, उम्र 26 वर्ष, निवासी अटल आवास पेंड्री ब्लॉक नंबर 51, थाना लालबाग को गिरफ्तार किया गया। आरोपी अपने परिवार और गांव के लोगों से अनावश्यक वाद-विवाद कर शांति भंग कर रहा था। संज्ञेय अपराध घटित होने से रोकने के लिए पुलिस ने उसे धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया। साथ ही धारा 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत इस्तगासा तैयार कर न्यायालय राजनांदगांव में पेश किया गया है।

अवैध विज्ञापन बोर्ड हटाने की कार्यवाही जारी, निगम निगम की टीम ने हटवाई 170 छोटे विज्ञापन बोर्ड

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

निगम सीमाक्षेत्र में निजी भवन के दीवाल, छत पर लगे होर्डिंग्स बोर्ड, विद्युत पोलो में लगे छोटे बेनर-पोस्टर, फ्लाई ओव्हर के पिल्हर में विज्ञापन बिना अनुमति के लगाये विज्ञापन बोर्ड नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा के निर्देश पर निगम की टीम हटाने की कार्यवाही कर रही है। इसी कडी में गत दिनों लगभग 500 बोर्ड हटाये थे और शहर के प्रमुख मार्गों के डिवाईडर एवं विद्युत पोलो में लगे 170 पोस्टर व छोट विज्ञापन बोर्ड निगम टीम ने हटाई।

निगम आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने बताया कि निगम सीमाक्षेत्रांतर्गत कतिपय विज्ञापन एजेंसियों/संस्थानों/व्यक्तियों द्वारा प्रायः इस निकाय के बिना पूर्वानुमति एवं स्वीकृति के विज्ञापन हेतु बोर्ड/निजी भवनों के दीवाल एवं छत पर होर्डिंग्स बोर्ड/विद्युत पोलों में छोटे बोर्ड, बैनर पोस्टर एवं सार्वजनिक शौचालय/फ्लाई ओव्हर के पिल्हरों में अन्य प्रकार का विज्ञापन लगाया जाता है और कई लोगों द्वारा लगाया भी गया है,जो कि छग विज्ञापन पंजीयन एवं विनियमन उपविधि 2012 की कंडिका 9 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है एवं छग नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 248 एवं 434 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

इस संबंध में पूर्व में संबंधितों को नोटिस के माध्यम से सूचित कर उनके विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये थे। किन्तु कतिपय लोगों के द्वारा अवैध होर्डिग्स व बोर्ड नहीं हटाया गया। जिसे गत दिनो निगम की टीम ने कार्यवाही करते हुये शहर के विभिन्न हिस्सो के डिवाईडर एवं विद्युत पोलो में लगे लगभग 500 अवैध बोर्ड हटाये और आज जमातपारा, फौव्हारा चौक, दिग्विजय कालेज रोड, गौरव पथ, अनुपंम नगर एवं आम्बेडकर चौक तक 170 छोटे विज्ञापन बोर्ड एंव पोस्टर हटाया गया। उक्त कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने सवर्संबंधित विज्ञापन एजेंसी व संस्थाओ से कहा कि विज्ञापन बोर्ड लगाने नगर निगम से नियमानुसार विधिवत अनुमति एवं स्वीकृति ले लेवे। अन्यथा भविष्य में बिना किसी पूर्व सूचना के निगम सीमाक्षेत्रातंर्गत बिना अनुमति लगाये गये होर्डिंग्स बोर्ड/बैनर पोस्टर के लिए अथर्दंड अधिरोपित करते हुए बैनर पोस्टर एवं अन्य प्रकार के विज्ञापन बोर्ड निगम द्वारा हटा/जब्त कर लिया जावेगा एवं अवैध विज्ञापनकर्ताओं के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी जावेंगी, जिससे उत्पन्न क्षति तथा संपूर्ण हर्जे खर्चे के लिए संबंधित एजेन्सी/संस्थान एवं व्यक्ति स्वयं उत्तरदायी होंगे।

बुजुर्ग महिला से की 5.42 लाख की धोखाधड़ी लालबाग पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना लालबाग पुलिस ने निवेश के नाम पर बुजुर्ग महिला से 5.42 लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। आरोपी ने रकम दोगुनी करने का झांसा देकर फर्जी बांड पेपर थमाए थे।

बीमा-निवेश के नाम पर ठगी

प्रार्थिया फगनी बाई साहू, पति स्व. जेठूराम साहू, उम्र 65 वर्ष, निवासी चमारराय टोलागांव ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी महेश राम वर्मा, पिता लिखन राम वर्मा, उम्र 49 वर्ष, निवासी मोतीपुर तालाब के पास, वार्ड क्रमांक 02, थाना कोतवाली ने खुद को बीमा व निवेश से जुड़ा बताया। उसने वर्ष 2014, 2022 और 2023 में किश्तों में कुल 5,42,000 रुपये ले लिए। रकम को निवेश कर दोगुना लाभ दिलाने का झांसा देकर आरोपी ने फर्जी बांड पेपर और दस्तावेज दिए।

थाना लालबाग में अपराध क्रमांक 165/2026 धारा 420, 467, 468 भादवि के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के मार्गदर्शन में जांच की गई। पूछताछ में आरोपी ने रकम लेना स्वीकार किया। फर्जी दस्तावेज और प्रमाण पत्र से धोखाधड़ी के पर्याप्त साक्ष्य मिले।

आरोपी महेश राम वर्मा को 7 मई को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। मामले की विवेचना जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश पटेल, उप निरीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव, सहायक उप निरीक्षक ए पी शीला, आरक्षक कमल किशोर यादव, बर्मा प्रसाद का योगदान रहा।

पुलिस ने पकड़ी 5 .4 लीटर अवैध देशी शराब

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

चिचोला चौकी पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 30 पौवा शोले देशी शराब बरामद हुई।

मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के नशा उन्मूलन अभियान के तहत अति. पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व एसडीओपी केसरीनंदन नायक के निर्देशन में 6 मई को कार्रवाई हुई। चौकी प्रभारी निरीक्षक योगेश पटेल के नेतृत्व में टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति रंगीटोला से शराब खरीदकर नारायणगढ़ बेचने जा रहा है।

ग्राम लालबहादुर नगर के पास आरोपी पुलिस गाड़ी देखकर भागने लगा। घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। आरोपी ने अपना नाम वेदकुमार वर्मा उर्फ छोटे, पिता मानसिंग वर्मा, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम नागतराई, थाना डोंगरगढ़ बताया।

पीले बोरे में रखी थी शराब

तलाशी में आरोपी के पास पीले रंग की सीमेंट प्लास्टिक बोरी में 30 पौवा शोले प्लेन देशी मदिरा मिली। प्रत्येक पौवा 180 एमएल का था। कुल 5.400 बल्क लीटर शराब, कीमत 2400 रुपये जब्त की गई। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 85/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय डोंगरगढ़ में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में चौकी प्रभारी योगेश पटेल, सउनि बिरेन्द्र नाविक, प्रआर 727, मप्रआरक्षक 846, आरक्षक 1800 व 171 का योगदान रहा।

घुमका में अवैध रूप से शराब पिलाने पर दो चखना दुकान संचालक गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना घुमका पुलिस ने अवैध रूप से शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले दो चखना दुकान संचालकों पर कार्रवाई की है। दोनों को आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

देशी शराब दुकान के पास छापामार कार्रवाई : पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के नशा उन्मूलन अभियान के तहत अति. पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व एसडीओपी श्रीमती मंजूलता बाज के निर्देशन में 7 मई को पटेवा रोड चौक स्थित देशी शराब दुकान के पास रेड की गई। यहां दो चखना दुकान संचालक शराबियों को बैठकर शराब पीने की सुविधा देते पाए गए।

आरोपियों पर अपराध दर्ज : मौके से (1) रोहित वर्मा पिता स्व. शुकालू, उम्र 37 वर्ष, निवासी घुमका और (2) शिव वर्मा पिता स्व. छबि, उम्र 55 वर्ष, निवासी घुमका को गिरफ्तार किया गया। दोनों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 56/2026 व 57/2026 धारा 36(c) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना घुमका पुलिस ने बताया कि अवैध कार्यों पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

वैशाली नगर विस को बड़ी सौगात : पहला सखी वन स्टॉप सेंटर 9 मई से होगा शुरू

महिलाओं की सुरक्षा, सहायता और सम्मान के लिए वैशाली नगर में नई पहल, विधायक रिकेश सेन करेंगे उद्घाटन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सहायता और त्वरित परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भिलाई का पहला सखी वन स्टॉप सेंटर प्रारंभ होने जा रहा है। यह सेंटर फरीद नगर स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल के समीप स्थापित किया गया है, जिसका उद्घाटन 9 मई को सुबह 11:30 बजे वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा किया जाएगा।

यह सेंटर महिलाओं को एक ही स्थान पर कानूनी सहायता, पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधा, मनोवैज्ञानिक परामर्श और अस्थायी आश्रय जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराएगा। घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, यौन उत्पीड़न, बाल विवाह, मानव तस्करी एवं अन्य महिला अपराधों से पीड़ित महिलाओं को यहां तत्काल सहायता मिल सकेगी।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान हमारी सवोच्च प्राथमिकता है। सखी वन स्टॉप सेंटर के शुरू होने से बहनों और बेटियों को संकट की घड़ी में भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें एक ही स्थान पर हर जरूरी सहायता उपलब्ध होगी। यह केंद्र महिलाओं को न्याय, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम साबित होगा। हमारी कोशिश है कि वैशाली नगर विधानसभा महिलाओं के लिए सुरक्षित, संवेदनशील और सशक्त क्षेत्र के रूप में पहचान बनाए।

उन्होंने कहा कि यह केंद्र महिलाओं को आत्मबल देने के साथ-साथ समाज में बेटियों और महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच को भी मजबूत करेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग, प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहेंगे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी आर के जामुलकर ने बताया कि सखी वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए सुरक्षा और सहायता का एक समर्पित मंच होगा। यहां पीड़ित महिलाओं को पुलिस समन्वय, मेडिकल सुविधा, काउंसलिंग, विधिक सहायता तथा आवश्यकता पड़ने पर अस्थायी आश्रय भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही महिला हेल्पलाइन 181 से भी सेंटर को जोड़ा गया है, ताकि संकट की स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके।

उन्होंने बताया कि केंद्र में प्रशिक्षित स्टाफ की नियुक्ति की जा रही है और महिलाओं की गोपनीयता एवं सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाएगा। सेंटर का उद्देश्य केवल सहायता देना ही नहीं, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत करना भी है।

खरीफ 2026 : उर्वरक भंडारण-वितरण पर कोई रोक नहीं, 1425 मीट्रिक टन खाद का हो चुका वितरण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

खरीफ सीजन 2026 के लिए जिले में उर्वरकों के भंडारण और वितरण पर किसी तरह का प्रतिबंध नहीं है। उप संचालक कृषि ने स्पष्ट किया कि सहकारी और निजी केंद्रों से खाद की बिक्री सामान्य रूप से जारी है।

अब तक 1425 मीट्रिक टन खाद बांटी

चालू खरीफ सीजन में अप्रैल से अब तक निजी खुदरा विक्रेताओं और सहकारी समितियों के जरिए लगभग 1425 मीट्रिक टन विभिन्न उर्वरकों का वितरण किया जा चुका है। शासन ने पारदर्शिता और सभी किसानों को समान रूप से खाद उपलब्ध कराने के लिए मैदानी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं।

पॉस मशीन से ही होगा वितरण

अब उर्वरकों का वितरण किसानों की भूमि धारिता और फसल की वैज्ञानिक अनुशंसा के आधार पर केवल पॉस मशीन से ही किया जाएगा। निजी विक्रेताओं के लिए भी अनिवार्य है कि वे केवल वास्तविक किसानों को ही खाद बेचें। वितरण के समय किसान का नाम, आधार नंबर, जमीन का रकबा, फसल का नाम और उर्वरक की मात्रा का रिकॉर्ड रखना होगा। निर्देशों का उल्लंघन करने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कड़ी कार्रवाई होगी।

अफवाहों से बचने की अपील

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों या भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें। जरूरत के अनुसार खाद लेने के लिए सीधे अधिकृत विक्रय केंद्रों से संपर्क करें। राज्य शासन किसानों के हित में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता के लिए प्रतिबद्ध है।

सुशासन तिहार : घुघवा क शिविर में 623 आवेदन मिले, 106 का मौके पर निराकरण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सुशासन तिहार-2026 के तहत जनपद पंचायत पाटन के ग्राम घुघवा क में बुधवार को जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित हुआ। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला घुघवा क में लगे शिविर में 623 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 106 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया।

"योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना लक्ष्य" : सांसद बघेल

शिविर में पहुंचे सांसद विजय बघेल ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सभी आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 10 जून तक सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सांसद ने बताया कि गांव स्तर पर शिविरों से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर सभी विभागों की सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि घुघवा क में पीएम सूर्य घर योजना से 60 घरों को लाभ मिला है, जिससे बिजली बिल में कमी आई है।

हितग्राहियों को मिली सामग्री

सांसद बघेल ने शिविर में एक हितग्राही को व्हील चेयर एवं श्रवण यंत्र प्रदान किया। मनरेगा के 07 श्रमिकों को 100 दिवस कार्य पूर्ण करने का प्रमाण पत्र, 04 को लर्निंग लाइसेंस, 04 को सुपोषण टोकरी, 03 को आभा आईडी कार्ड दिए। 04 हितग्राहियों को पीएम आवास की चॉबी, 10 को राशन कार्ड, 03 को जॉब कार्ड, 03 लखपति दीदीयों को प्रमाण पत्र, 25 को स्वामित्व योजना के अधिकार पत्र और 35 स्वच्छताग्राहियों को सम्मान पत्र वितरित किए गए।

इन गांवों के लोग पहुंचे

शिविर में पचपेडी, खम्हरिया कु, कोपेडीह, औंधी, सांकरा, उफरा, नारधी, पाहंदा अ, झीट, बटंग, घुघवा ज, रूही, अमलीडीह, जमराव, जामगांव एम, मोतीपुर, महुदा, अमेरी एवं करगा सहित आसपास के ग्रामीणों ने आवेदन जमा किए।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक, जनपद सदस्य श्रीमती कुसुम लता, सरपंच शैलेन्द्री साहू, भूषण भारद्वाज, सरपंच श्रीमती गायत्री साहू, सभापति प्रणव शर्मा, एसडीएम लवकेश ध्रुव, सीईओ जागेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

शासकीय स्कूलों के शौचालय संवरेंगे : शिक्षा उपकर की राशि से होगा जीर्णोद्धार, निगम आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई ने शासकीय स्कूलों में स्वच्छता सुधारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने सभी जोन आयुक्तों को निर्देश दिए हैं कि शिक्षा उपकर की राशि का उपयोग प्राथमिकता से स्कूलों के शौचालयों के जीणीद्धार, मरम्मत और निर्माण में किया जाए।

आयुक्त ने सभी जोन आयुक्तों को अपने क्षेत्रों के शासकीय स्कूलों का तत्काल निरीक्षण कर शौचालयों की वतर्मान स्थिति का आकलन करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा, ताकि छात्रों को स्वच्छ और सुरक्षित माहौल मिल सके।

"छात्राओं को न हो परेशानी"

आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को स्वच्छता संबंधी किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। शिक्षा उपकर की राशि का सदुपयोग कर स्कूलों का बुनियादी ढांचा मजबूत किया जाएगा। इस पहल से शहर के दर्जनों शासकीय स्कूलों को लाभ मिलेगा। इससे स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

आकाशगंगा व्यावसायिक परिसर की दुकान निगम ने ली अधिपत्य में

नगर पालिक निगम भिलाई ने जोन क्रमांक 01 नेहरू नगर अंतर्गत आकाशगंगा व्यावसायिक परिसर की एक दुकान को आज अपने अधिपत्य में ले लिया। ब्लॉक क्रमांक F की दुकान क्रमांक 163 के ऊपर प्रथम तल पर निर्मित दुकान पर निगम अमले ने कार्रवाई की। **नोटिस के बाद हुई कार्रवाई** : निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि संबंधित दुकानदार को पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। नोटिस के तहत नियमानुसार दुकान को निगम के अधीन लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई। पूरी प्रक्रिया प्रशासनिक नियमों के तहत संपन्न कराई गई। इस दौरान निगम अमला मौके पर मौजूद रहा। **जांच जारी रहेगी** : निगम प्रशासन ने कहा कि निगम संपत्तियों एवं व्यावसायिक परिसरों के संबंध में समय-समय पर जांच और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

स्वणर्कार समाज को राजनीतिक भागीदारी का मंत्र, रायपुर में राष्ट्रीय मंच का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रीय स्वणर्कार राजनीतिक भागीदारी मंच का कार्यक्रम बुधवार को सिविल लाइन स्थित वृंदावन हाल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में रायपुर विधायक सुनील सोनी और मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा स्वणर्कार विशेष रूप से उपस्थित रहे। संजीव सोनी और निखिल सोनी के सानिध्य में समाज को नई दिशा देने पर चर्चा हुई।

एकता व भागीदारी पर जोर

वक्ताओं ने कहा कि राजनीतिक भागीदारी से ही समाज गतिशील होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा स्वणर्कार ने समाज की एकता और मजबूती पर बल दिया। विधायक सुनील सोनी ने कहा कि संगठित प्रयास से समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। समाज के लोगों को राजनीतिक रूप से जागरूक होने की अपील की गई।

भिलाई से पहुंचे कन्हैया सोनी

इस अवसर पर भिलाई से कन्हैया सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रायपुर सहित प्रदेशभर से स्वणर्कार समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। संजीव सोनी और निखिल सोनी ने कार्यक्रम का संचालन किया। उपस्थित जनों ने समाज को नई दशा और दिशा देने का संकल्प लिया। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों से समाज की एकता और मजबूत होगी। राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए आगे भी अभियान चलाया जाएगा।

आईआईटी भिलाई के 5 फैकल्टी को मिला पीएम अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट, नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आईआईटी भिलाई ने बड़ी शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के पांच फैकल्टी सदस्यों को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट (पीएमईसीआरजी) से सम्मानित किया गया है। यह ग्रांट वर्ष 2025-26 के लिए मिला है।

ये फैकल्टी हुए सम्मानित

डॉ. कृष्ण मुरारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग - हाइब्रिड एसी-डीसी वितरण नेटवर्क के विश्लेषण, अनुकूलन और नियंत्रण के लिए उन्नत ढांचा विकसित करेंगे।

डॉ. कचाला नानाजी, असिस्टेंट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग - उच्च-वोल्टेज, टिकाऊ लिथियम-आयन बैटरी निर्माण के लिए बॉल-मिल्ड नैनो-एलएमएफपी को ड्राई इलेक्ट्रोड तकनीक से एकीकृत करने पर शोध करेंगे।

डॉ. सैकत साहू, असिस्टेंट प्रोफेसर, मेकाट्रॉनिक्स विभाग - सीढ़ीदार खेती में चोट से बचाव और दक्षता बढ़ाने के लिए हाइब्रिड बैक-सपोर्ट एक्सोस्केलेटन विकसित करेंगे।

डॉ. नितिन बी, असिस्टेंट प्रोफेसर, सामग्री विज्ञान और धातुकर्म इंजीनियरिंग - उच्च-तापमान प्रदर्शन और हाइड्रोजन एम्ब्रिटलमेंट प्रतिरोध के लिए उन्नत बहु-चरण संरचनात्मक मिश्र धातु विकसित करेंगे। यह भारत के राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन का समर्थन करेगा।

डॉ. अविजित साहा, असिस्टेंट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग - बायोइमेजिंग के लिए पर्यावरण-अनुकूल क्वांटम नैनोमटेरियल उत्सर्जक विकसित करेंगे।

क्या है पीएमईसीआरजी

प्रधानमंत्री अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट भारत में अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की प्रतिष्ठित पहल है। यह 3 साल के लिए विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शुरुआती करियर के शोधकर्ताओं को दिया जाता है। इसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, लचीली फंडिंग देना और सुदृढ़ अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

आईआईटी भिलाई ने इस उपलब्धि पर सभी युवा फैकल्टी सदस्यों को बधाई दी है। यह ग्रांट उनके अत्याधुनिक शोध को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

स्मृति नगर में बाइक चोरी का खुलासा, दो नाबालिग गिरफ्तार, 2 लाख की 4 बाइक बरामद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग पुलिस ने चंद घंटों में मोटर साइकिल चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 2 लाख रुपये कीमत की 4 चोरी की बाइक बरामद की गई हैं। दोनों को किशोर न्याय बोर्ड दुर्ग में प्रस्तुत किया गया।

प्रार्थी सौम्य दुबे, उम्र 20 वर्ष, निवासी बेमेतरा, स्मृति नगर में किराए के मकान में रहकर पढ़ाई करता है। 6 मई को उसने अपनी पैशन प्रो बाइक सीजी 07 एएफ 1241 घर के पास खड़ी की थी। रात में अज्ञात आरोपियों ने बाइक चोरी कर ली। रिपोर्ट पर सुपेला चौकी स्मृति नगर में अपराध क्रमांक 633/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज हुआ।

सीसीटीवी और मुखबिर से मिला सुराग : वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने मुखबिर सक्रिय किए और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्य और सूचना के आधार पर दो विधि से संघर्षरत बालकों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने स्मृति नगर की बाइक चोरी कबूल की। साथ ही चरोदा भिलाई, करंजा भिलाई और गदा चौक से तीन अन्य बाइक चोरी करना भी स्वीकार किया।

बरामद बाइक : पैशन प्रो - सीजी 07 एएफ 1241, स्प्लेंडर - सीजी 07 बीजेड 8554, पल्सर - सीजी 25 एच 0978, पल्सर - सीजी 07 एबी 6553 है।

पुलिस टीम की भूमिका : इस कार्रवाई में निरीक्षक राजेश कुमार साहू, प्रधान आरक्षक आशीष सिंह, आरक्षक सविन्दर सिंह, हर्षित शुक्ला, कमल एवं उमेश साहू की अहम भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वाहन सुरक्षित स्थान पर लॉक कर रखें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। वाहन चोरी और अन्य अपराधों में शामिल लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बारिश से पहले नाला-नालियों की सफाई तेज, जलभराव रोकने जुटा निगम अमला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वर्षाऋतु से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर में नाला-नालियों की सफाई अभियान तेज कर दिया है। सभी छोटे-बड़े नालों की युद्ध स्तर पर सफाई कराई जा रही है ताकि बारिश के दौरान पानी की निकासी में कोई बाधा न आए।

निगम अमले का इन इलाकों में चल रहा अभियान

निगम अमले द्वारा स्मृति नगर दीनदयाल कॉलोनी, संजय नगर तालाब के सामने, सूर्यकुंड के पीछे स्थित पोलियो अस्पताल, वार्ड क्रमांक 31 दुर्गा पारा तथा जोन-04 खुर्सीपार क्षेत्र में लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है। सफाई कर्मी नालियों में जमी गंदगी, कचरा और अवरोधों को हटाकर पानी के सुचारू बहाव की व्यवस्था कर रहे हैं।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर निगम के सभी जोन का स्वास्थ्य विभाग अमला अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई कार्य में जुटा है। निगम प्रशासन का उद्देश्य बारिश के दौरान नागरिकों को जलभराव और गंदगी की समस्या से राहत दिलाना है।

7 वार्डों के नागरिकों की समस्याओं का होगा समाधान

शासन के निर्देश पर शासकीय कामकाज में पारदर्शिता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए चल रहे सुशासन तिहार 2026 के तहत 8 मई को निगम मुख्य कार्यालय परिसर में वृहद शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर वार्ड क्रं. 09 राजीव नगर सुपेला, वार्ड क्रं. 10 लक्ष्मी नगर, वार्ड क्रं. 11 फरीद नगर, वार्ड क्रं. 12 रानी अवंती बाई कोहका, वार्ड क्रं. 13 पुरानी बस्ती कोहका, वार्ड क्रं. 17 नेहरू भवन एवं वार्ड क्रं. 18 कान्ट्रेक्टर कालोनी के नागरिकों के लिए आयोजित है। शिविर में नागरिक कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी उठा सकते हैं। सुशासन तिहार का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण, योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा और विकास कार्यों को गति देना है। इस शिविर के नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल और सहायक नोडल अधिकारी सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू होंगे। नगर पालिक निगम भिलाई ने सभी नागरिकों से अपील की है कि निर्धारित तिथि पर शिविर स्थल पहुंचकर शासकीय योजनाओं का लाभ उठाएं।

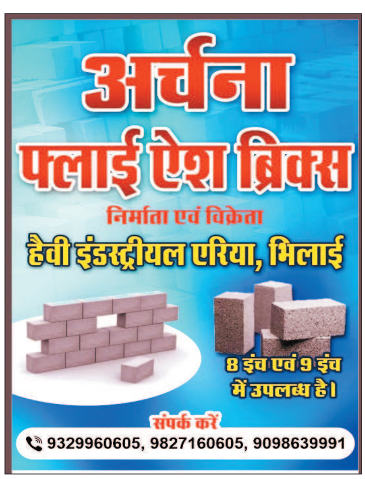

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100